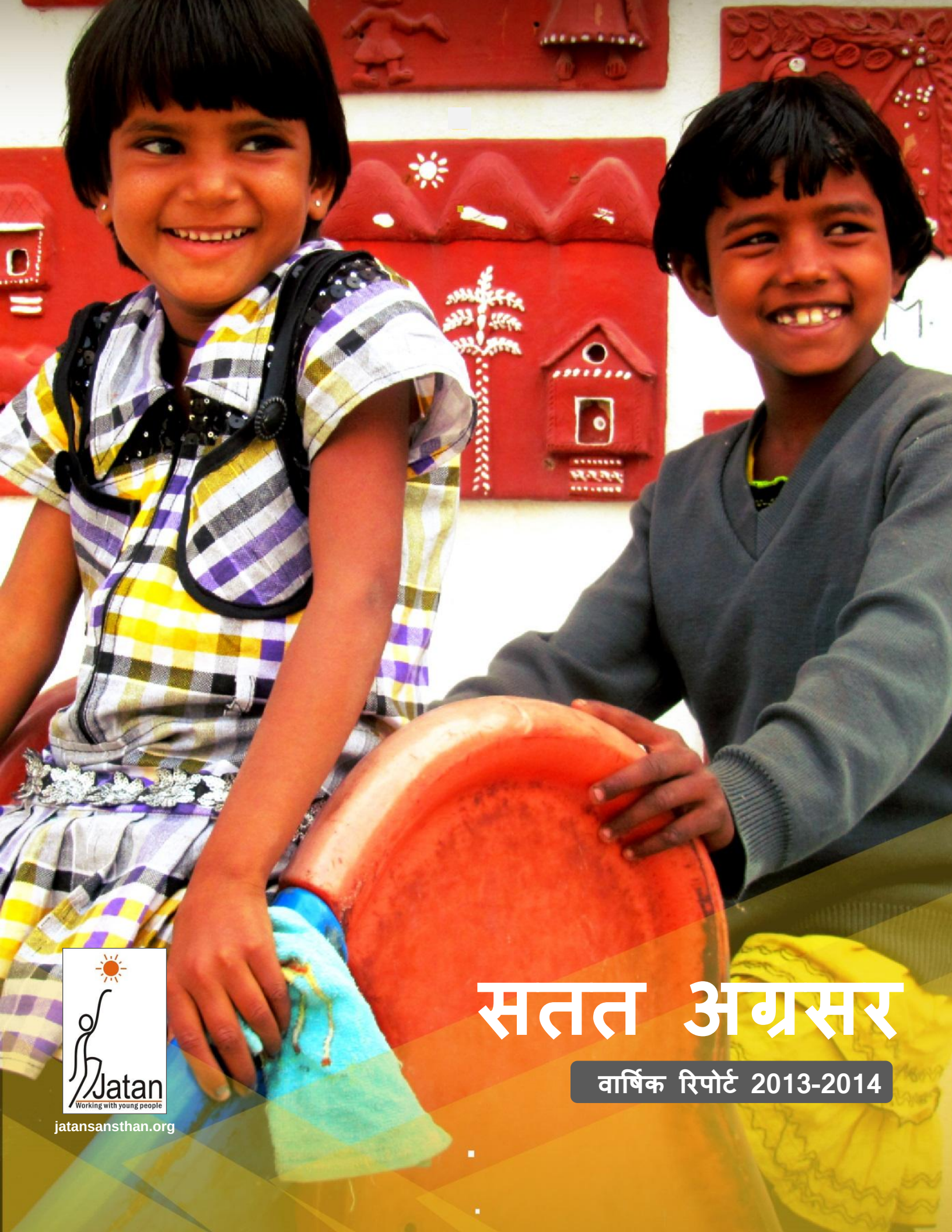

सतत अग्रसर

वार्षिक रिपोर्ट 2013-2014

Jatan
Working with young people

jatansansthan.org

प्रकाशक: डॉ. कैलाश बृजवासी
लेखन एवं पृष्ठसज्जा: जतन स्टाफ
प्रकाशन: संजरी ऑफसेट प्रिंटर्स, उदयपुर
Photography (used with permission from all subjects)

विषयवस्तु

07.. हाई लाइट्स
08.. कुशल किशोर किशोरियां
14.. सशक्त महिलाएं
23.. सक्षम बालक बालिकाएं
29.. अतिथि एवं प्रशिक्षु
30.. स्टाफ
33.. साधारण सभा
35.. लेखा एवं प्रशासन

अध्यक्ष की कलम से...

हमारा जतन

जब कभी अतीत की ओर देखता हूँ तो वे दिन याद आ जाते हैं - जन सीमित संसाधनों के ~~साथ~~ जतन शुरू हुई थी

वे किशोर-किशोरियाँ ~~बच्चों से~~ जो शुरुआती वर्षों से साथ जुड़े थे - आज के सफल नागरिक हैं

2001 में रेलमगरा से शुरू हुआ रथ सैधव्य आज राजसमन्द, भीलवाड़ा, उदयपुर एवं झालावाड़ तक विस्तार पा चुका है हजारों युवा एवं महिलाएं जतन से जुड़े हैं और समाज की प्रगति में सहायक हैं। यह काफी सगुन भरा है

इस संस्था के युवक-युवतियाँ, मलेशिया अफ्रीका अमेरिका भी सम्मानित हो चुके हैं

उत्तरोत्तर मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

25 मार्च 2014 श्रीलाल - शिक्षाकर्मी

निदेशक की कलम से...

वर्ष 2013- 2014 की गतिविधियों का ब्यौरा आपके सामने रखते हुए इस बात का संतोष है कि जतन ने अपनी स्थापना के 13 वर्ष युवाओं के मुद्दों को संबोधित करने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ पूर्ण किये हैं । साथ ही ये बात हमें निरंतर प्रेरित करती है कि संस्थान से जुड़ा हरेक शख्स चाहे वो प्रवासी श्रमिक हो या विद्यार्थी, महिला जनप्रतिनिधि हो या महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, शिक्षा से वंचित किशोर-किशोरी हो या विद्यालयों को बाल मित्र बनाने में प्रयासरत शिक्षकगण , सभी ने अपना सहयोग निरंतर दिया है और इस बात का निरंतर आभास करवाया है कि हमें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना है ।

राजसमन्द जिले में महिलाओं के विरुद्ध बढ़ रही हिंसा को रोकने की प्रतिबद्धता को दोहराने के साथ इस वर्ष प्रारंभ की गयी महिला हेल्प लाइन ने जहाँ एक ओर महिला सुरक्षा और सलाह केंद्र की भूमिका को और सक्रीय किया वहीँ दूसरी ओर महिला जनप्रतिनिधियों को अपनी भूमिका पहचानने और उसका सही इस्तेमाल करने का भी अवसर दिया है । प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे माहवारी को लेकर किये जा रहे संस्थागत प्रयास को इस वर्ष एक नया आयाम मिला जब राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर इसी मुद्दे पर काम करने वाली अन्य संस्थाओं को एक मंच पर लाकर अपने अनुभव बांटने का अवसर प्राप्त हुआ । इस कार्यशाला ने आगामी रणनीति तय करने का महत्वपूर्ण काम भी किया ।

सबसे ज्यादा उपलब्धिपूर्ण रहा, जतन के 06 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा एक्सपोजर के लिए इथियोपिया जाकर फैमिली गाइडेंस असोसिएशन ऑफ़ इथियोपिया संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों को देखना और समझना । ये सभी के लिए एक अनूठा अवसर था जिसे कार्यकर्ताओं ने अपने काम की उपलब्धि माना ।

भौगोलिक और विषयवार दोनों ही स्तर पर संस्थान का कार्यक्षेत्र बढ़ा है । विस्तार को ध्यान में रखते हुए इसी वर्ष विभिन्न क्षेत्रों की सम्बद्ध विषय विशेषज्ञों को जोड़ते हुए जतन सलाहकार समिति का गठन कर एक बैठक आयोजित की गयी और संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा कर आगामी कार्य योजना हेतु महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित किये गए । समिति का मार्गदर्शन संस्था को सही दिशा में काम करने के लिए उत्साहित करेगा ।

आइये, साथ मिलकर युवाओं और महिलाओं की स्थितियों को और बेहतर बनाने का जतन करें ।

शुभकामनाएं ।

कैलाश बृजवासी
कार्यकारी निदेशक

Bhupen

Jatan Sansthan is a grassroots non-for-profit organization working with the rural populations of the Rajsamand, Udaipur, Bhilwara and Jhalawar districts of Rajasthan. Jatan Sansthan was formally registered in 2001 under the leadership of a senior educationalist and development workers.

Since its inception, Jatan has intervened through detailed programs for strengthening and empowering rural youth, women, and children, elected women representatives, migrant labourers and the community at large. Jatan began its work from the Rajsamand district which has some of the poorest social and demographic indicators in the state. In the last 13 years Jatan has expanded its area of work to four districts working across issues of health, education, employment, skill development, migration and informed participation in democratic processes.

Vision:

Jatan envisions a society where people lead a healthy, safe and empowered life, free of all forms of discrimination.

Mission:

Jatan strives to empower the youth of Rajasthan by providing them information and opportunity, thereby energizing them as change makers for their communities.

Jatan
Working with young people

Highlights

Q 1 apr-jun

- जीवा परियोजना की औपचारिक शुरुआत
- महिला हिंसा के विरुद्ध राजसमन्द में बृहद रैली
- राजसमन्द में मेवाड़ राजमिस्त्री संघ का उदय
- 04 माही आवासीय किशोरी शिक्षण शिविर का समापन
- किशोरों हेतु राजसमन्द में जीवन कौशल शिक्षण हेतु 07 दिवसीय आवासीय शिविर

Q 2 july- sep

- उदयपुर में 'गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए CCE एवं CFS के प्रभावी क्रियान्वयन का कार्य शुरू
- राजसमन्द महिला हेल्पलाइन की शुरुआत
- मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं पर रेलमगरा में जन संवाद का आयोजन
- रेलमगरा में प्रवास के मुद्दों पर स्टेट पार्टनर मीटिंग का आयोजन
- जतन वार्षिक स्टाफ कैंप माउंट आबू में

Q 3 oct- dec

- IIM उदयपुर के छात्रों की इंटर्नशिप
- राजसमन्द प्रखंड में 10 जेंडर रिसोर्स सेंटर स्थापित
- महिला नेतृत्व कार्यक्रम की राजसमन्द प्रखंड में शुरुआत
- स्कूल प्रबंधन समिति सर्वे रिपोर्ट जारी
- उदयपुर में किशोरियों के साथ 07 दिवसीय माहवारी प्रबंधन कार्यशाला

Q 4 jan- mar

- सुरक्षित माहवारी प्रबंधन पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन
- जतन के 05 सदस्यों की अफ़्रीकी देश इथियोपिया की विजिट
- राजसमन्द: घटते शिशु लिंगानुपात पर जिला स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता
- टीन क्लब कार्यक्रम की शुरुआत
- झालावाड में जतन का प्रवेश
- जतन सलाहकार समिति का गठन

कुशल किशोर किशोरियां

शिक्षा एवं स्वास्थ्य

प्रवास

किशोर किशोरियों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकास परियोजना

मार्च 2014 तक...

गतिविधि	कुल	लाभान्वित
अपना जतन केंद्र	20	457
4 माही आवासीय शिक्षण शिविर	02	76
व्यावसायिक प्रशिक्षण	05	135
7 दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण	04	215
3 दिवसीय प्रजनन स्वास्थ्य कार्यशाला	06	210
नुक्कड़ नाटक प्रशिक्षण	02	45
किशोर- किशोरी समूह	25	310
पुनः शाला प्रवेश		283
ग्राम बैठकें	40	1250
PRI Orientations	08	340
Staff capacitry building	06	25
ट्यूशन/कोचिंग		85

किशोर किशोरियों की शिक्षा एवं विकास परियोजना (KKSVP) मुख्यतः 11-20 वर्ष के किशोर- किशोरियों का शिक्षा के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक विकास करना तथा उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार, सीखने के उपलब्ध संसाधनों एवं अवसरों के माध्यम से करना है.

कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में परियोजना क्षैत्र का विस्तार करते हुए 10 पंचायतों से बढाते हुए 20 पंचायतों तक पहुँच बनाई. माह अप्रेल-जून के मध्य बेसलाइन सर्वे तथा सामाजिक मानचित्रण द्वारा किशोर किशोरियों की स्थिति ज्ञात की गयी. इस दौरान ड्राप आउट दर, अस्कूलित किशोर किशोरियों आदि को चिन्हित किया गया. मानचित्रण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रत्येक पंचायत में एक सतत शिक्षा केंद्र "अपना जतन" शुरू किये गए. इस वर्ष अपना जतन केन्द्रों की संख्या बढाकर कुल 20 हुई.

अपना जतन केन्द्रों पर सतत शिक्षा के अतिरिक्त युवा सन्दर्भ केंद्र के रूप में भी विकसित किया गया. क्षैत्र से पलायन पर जाने वाले युवाओं को केंद्र के द्वारा सीधे लाभ मिला. केन्द्रों पर ड्राप आउट तथा नॉन स्कूलिंग के अतिरिक्त स्कूल जाने वाली 85 किशोरियों को नियमित कोचिंग हेतु विशेष कक्षाएं चलाई गयी. केद्रों के सहयोग से कुल 283 ड्राप आउट किशोर किशोरियों को पुनः शालाओं से जोड़कर उनकी लगातार निगरानी रखी गयी. लापस्या सादड़ी, चौकड़ी तथा सांसेरा केंद्र सर्वाधिक किशोर किशोरियों को मेनस्ट्रीम करने के सबसे आगे रहे. जून 2013 में केन्द्रों के चयनित 300 किशोरों ने रेलमगरा में पुलिस थाना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत समिति का भ्रमण किया.

अगस्त 2013 से किशोरियों हेतु 04 माही आवासीय शिक्षण शिविर की शुरुआत चौकड़ी में कि गयी, जिस से 46 किशोरियां लाभान्वित हुई. 62% किशोरियों ने पुनः शाला में प्रवेश लिया जबकि कुल 12 किशोरियों ने प्राइवेट दसवीं की परीक्षा दी. शिविर में हिंदी, गणित, पर्यावरण के अतिरिक्त कई जीवन कौशल विषयों को भी जोड़ा गया.

इस वित्त वर्ष में परियोजना के अंतर्गत किशोर- किशोरियों हेतु 03 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. सिलाई प्रशिक्षण (कुल 22 संभागी), ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण (कुल 26 संभागी) तथा मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण (कुल 26 संभागी) द्वारा कुल 74 किशोर किशोरियों ने

व्यावसायिक प्रशिक्षण पाया. इनमे से 14 किशोर किशोरियों की नियुक्ति प्रशिक्षण के तत्काल बाद हुई जबकि 27 किशोर किशोरियों ने स्व-व्यवसाय की ओर रुख किया, जिन्हें आसान लोन आदि हेतु जतन की ओर से मार्गदर्शन दिया गया. इस प्रकार प्रशिक्षण के द्वारा 55% किशोर किशोरियों ने व्यावसायिक दौर में कदम रखा.

122 किशोर किशोरियों को 07 दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण द्वारा विविध सामाजिक पहलुओं पर समझ बढ़ाने का अवसर मिला. दो चरणों में हुई इस कार्यशाला में रेलमगरा उपखंड के 67 गांवों के किशोर किशोरियों ने सहभागिता निभाई.

"मैं और मेरा शरीर" प्रजनन स्वास्थ्य आधारित 03 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन उदयपुर, राजसमन्द तथा रेलमगरा में किया गया. इन कार्यशालाओं में सीधे तौर पर 210 किशोरियां लाभान्वित हुई. अपने शरीर की समझ, कार्यप्रणाली तथा किशोरावस्था के बदलावों पर आधारित ये कार्यशालाएं काफी लाभकारी सिद्ध हुई.

ड्रामा वर्कशॉप पखवाड़े के अंतर्गत NSD दिल्ली से आये प्रशिक्षकों ने 45 किशोरों के साथ नाटक कला के विविध पक्षों के गुर सिखाये. कार्यशाला के पश्चात 26 किशोरों के दल ने अपनी नाटक मण्डली का गठन किया, जिसने बालिका शिक्षा, बेटियों को बचाने जैसे विविध सामाजिक मसलों पर जिला स्तर पर अपने नाटकों की प्रस्तुतियां दी.

प्रत्येक तिमाही में स्कूली अध्यापकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ आमुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया तथा समय समय पर परियोजना प्रगति सभी के साथ शेयर की गयी. कार्यक्रम की सफलता में बड़ा श्रेय महिलाओं का रहा. रणनीति अनुसार महिलाओं के समूह बनाकर उन्हें सीधे अपना जतन केन्द्रों को मज़बूत करने तथा केन्द्रों से किशोर किशोरियों को सतत जोड़े रखने में उल्लेखनीय भूमिका स्थानीय महिलाओं की रही. महिला समूहों की बैठकें मासिक होती हैं.

सामाजिक उत्तरदायित्वों को समझते हुए कार्यक्रम से जुड़े किशोर किशोरियों ने अपने अपने गांवों में श्रम दान, आंगनवाडी निरीक्षण, सरकारी योजनाओं की जानकारी आम ग्रामीणों तक पहुँचाने जैसे कार्यों में रूचि दिखाई. विभिन्न त्योहारों को साथ मिलकर मिलाने की नयी परम्परा ने जाति बंधनों को तोड़ने में मदद की जबकि बाल विवाह रोकने में भी कई केन्द्रों के बच्चों ने जागरूकता निर्माण का कार्य किया.

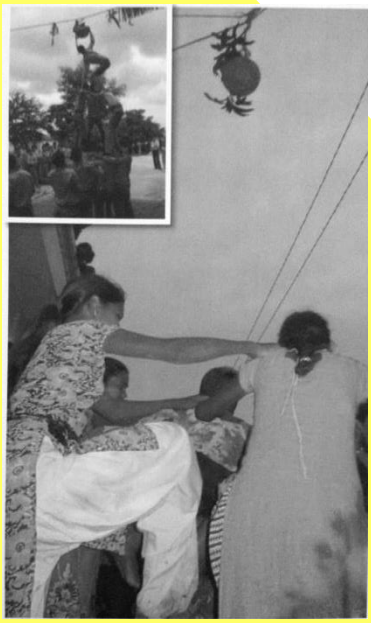

कान्हाखेडा गाँव में एक भी महिला या किशोरी दसवीं पास नहीं है. 100 घरों की आबादी वाले इस गाँव में आठवीं तक स्कूल है और केवल 3 किमी दूर कुरज में उच्च माध्यमिक विद्यालय भी, किन्तु लड़कियों को पढ़ाने की ओर इस गाँव ने कभी सोचा ही नहीं. ममता, लाली और सुनीता जैसे कुछ नाम जरुर थे जिन्होंने छठी तक पढ़ाई की किन्तु उस से आगे उन्होंने भी काम के चलते स्कूल छोड़ दिया.

04 माही आवासीय शिविर में सर्वाधिक 08 किशोरियां कान्हाखेडा से थी. सभी किशोरियों ने 04 माह अन्य के साथ रहते हुए अध्ययन किया और इस वर्ष सभी ने दसवीं की प्राइवेट परीक्षा का फॉर्म भरा है. शिविर प्रभारी अफसाना बानू का कहना है, सभी 08 किशोरियों की लगन को देखते हुए लगता है, वे आसानी से दसवीं पास कर जायेंगी.

इस साल गाँव में पहल करते हुए इन किशोरियों ने दही-हांडी उत्सव का आयोजन किया तथा मटकी फोड़ने हेतु गोविन्दाओं की टोली में भी लड़कियों को ही चुना. इस गाँव में ऐसा पहली बार हुआ और ग्रामवासी किशोरियों के हौंसले को देखकर विस्मित भी है.

ममता और लाली इस समय गाँव की अन्य लड़कियों को शाम के 2 घंटे अपना जतन में आकर पढ़ा भी रही है और समय समय पर आंगनवाडी से मिलने वाली सुविधाओं का जायजा भी ले लेती है. बदलाव की बयार शायद इसी को कहते है.

शिक्षा प्रबंधन समितियों के हाल

रेलमगरा उपखंड की सभी 29 पंचायतों के 50 सरकारी विद्यालयों (सभी श्रेणी) की विद्यालय प्रबंधन समितियों (SMC) के सभी 492 सदस्यों के साथ जून 2013 में किये एक अध्ययन में चौंकाने वाले आंकड़े मिले. सकरावास पंचायत के अतिरिक्त किसी भी पंचायत में एक भी स्कूल ऐसा नहीं था, जहाँ साल की सभी 12 बैठकें हुई हो! यद्यपि कई स्कूलों में रिकॉर्ड अवश्य पूरा था, किन्तु उनके अधिकांश सदस्यों ने ऐसी किसी बैठक के होने से साफ़ इनकार किया !

65% SMC महिला सदस्यों ने स्वीकार किया कि हस्ताक्षर हेतु रजिस्टर उनके घर तक आता है. उन्हें बैठक से पूर्व सूचना नहीं मिलती.

68% सदस्यों ने समिति संचालन से सम्बंधित किसी प्रशिक्षण में भाग नहीं लिया.

रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात जतन द्वारा उसे ब्लाक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित ब्लाक स्तरीय बैठक में प्रस्तुत किया गया. इस सन्दर्भ में ब्लाक शिक्षा अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर कार्यालय अधीन सभी विद्यालयों की प्रबंधन समितियों की नियमित बैठकों हेतु पाबंद किया गया.

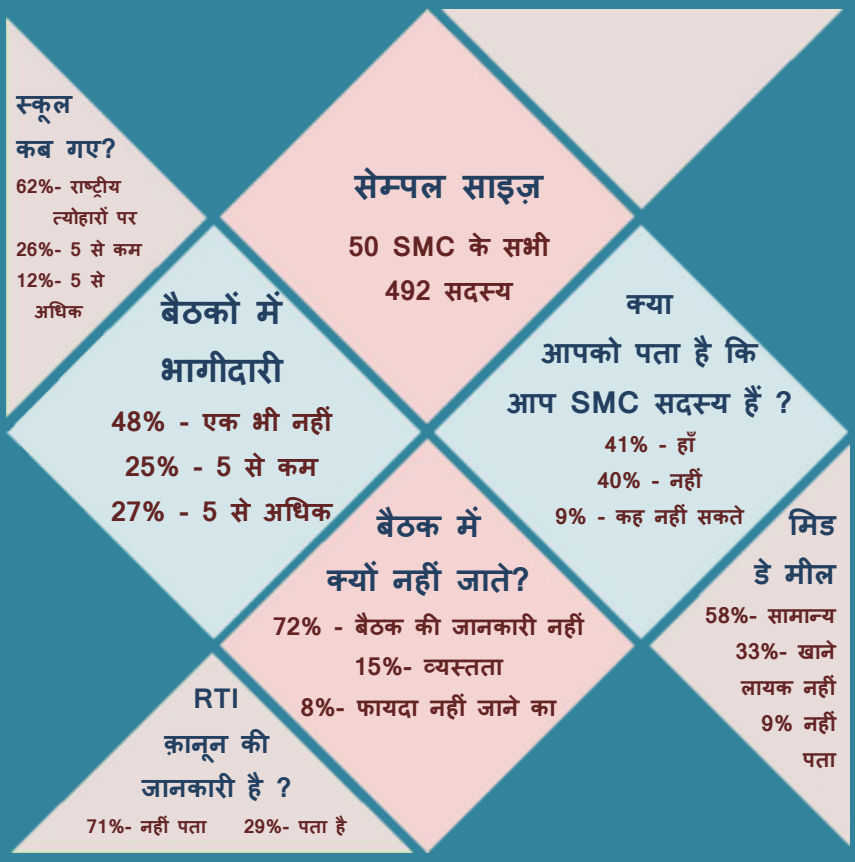

Pushkar

वर्ष 2006 से लगातार...

04 ब्लाक, 02 जिलों में

11,814 रजिस्ट्रेशन

337 व्यवसायिक प्रशिक्षणों से जुडाव

82/29 कानूनी सहायता (कुल वाद/हल)

151 पदस्थापन

512 पेंशन से जुडाव

1890 आवाजाही

3,03,000 रुपये आम सहमति से श्रमिकों को दिलाये

1719 श्रमिक कल्याण योजनाओं से जुड़ाव

01 श्रमिक संघ रजिस्टर

03 कलेक्टिव

745 स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ाव

पलायन

राजस्थान में प्रवास सदियों से चली आ रही रीत है. यहाँ के निवासी आजीविका हेतु अन्य राज्यों में आरम्भ से ही प्रवास करते आये हैं. दक्षिणी राजस्थान में सीजनल प्रवास अधिक है. राजसमन्द तथा भीलवाड़ा में कराये गए सर्वे के अनुसार आधे से अधिक परिवारों का कोई न कोई सदस्य प्रवास पर अपने जिले से बाहर है. आंकड़े बताते हैं कि 77% प्रवास एकल है अर्थात घर का पुरुष अकेला प्रवास पर जाता है. प्रवास की औसतन अवधि 07 माह है. आइसक्रीम निर्माण एवं विपणन, नमकीन निर्माण, ड्राइवर, हमाली, बढई, स्क्रेप आदि क्षेत्रों में सर्वाधिक प्रवास है.

इस वर्ष विगत गतिविधियों को ही निरंतर रखते हुए प्रमुख गतिविधि प्रवासी श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन रहा. प्रवास स्थल (डेस्टिनेशन) पर पहचान के संकट से गुज़रते प्रवासी युवाओं के लिए रजिस्ट्रेशन के पश्चात प्राप्त श्रमिक कार्ड महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है.

इस वर्ष महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत जतन जून में भवन संनिर्माण से जुड़े श्रमिकों की यूनियन निर्माण तथा उसके पंजीयन में सफल रहा. राजसमन्द जिला स्तर पर मेवाड़ राजमिस्त्री संघ का उदय हुआ और यह संघ पहली तिमाही में ही स्वतंत्र रूप से काम करने लगी. फ़िलहाल संघ में 14 पदाधिकारी तथा 70 से अधिक श्रमिक सदस्य है.

कुवारिया, राजसमन्द तथा रेलमगरा में गठित श्रमिक कलेक्टिव अपनी मासिक बैठकों के द्वारा श्रमिकों से जुड़े वाद को हल करवाने में प्रमुख भूमिका निभाई. इस वर्ष कुल 18 श्रमिक विवाद दर्ज हुए.

जिनमे से 50% वाद आपसी सहमति से सुलझा लिये गये. इन विवादों के हल पश्चात श्रमिकों को कुल 1,04,000 रुपये की राशि दिलाई गयी. अधिकतर विवाद भुगतान सम्बंधित ही थे, जिनमे लिखित अनुबंध की अवहेलना की गयी थी.

विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से इस वर्ष 611 श्रमिकों को जोड़ा गया जबकि 152 श्रमिकों के बैंक खाते खुलवाये गए. 38 विधवा महिलाओं की पेंशन आरंभ करवाने में सहायता की जबकि 195 श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुच सरल बनाने में सहायता की.

35 श्रमिक मित्रों के सहयोग से प्रवासी श्रमिकों तक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करने में सहायता मिली. राजसमन्द में अप्रवासी उत्तर-पूर्वी राज्यों से आये खनन मजदूरों के साथ स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यशालाएं तथा नी:शुल्क परामर्श शिविरों का आयोजन किया गया.

24 जून 2013 को राजसमन्द में जतन के प्रयासों से पहले श्रमिक संगठन "मेवाड़ राजमिस्त्री संघ" का निर्माण हुआ. जतन कार्यालय के एक कक्ष में विधिवत इसका कार्यालय स्थापित हुआ. संघ अपनी नियमित त्रेमासिक बैठकें करता है तथा श्रमिक विवादों के हल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

राज्य स्तरीय कार्यक्रम समीक्षा बैठक का आयोजन

22 जून 2013 को राजस्थान स्टेट पार्टनर्स मीट का आयोजन आजीविका ब्यूरो के सहयोग से जतन ने रेलमगरा में किया जिसमे 09 साथी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही. बैठक में स्टेट माइग्रेशन प्रोफाइल का पहला ड्राफ्ट सेंटर फॉर माइग्रेशन एंड लेबर सोल्यूशन द्वारा प्रस्तुत की गयी. संभाग वार आ रही विभिन्न चुनौतियों पर बैठक में खुल कर चर्चा की गयी. जतन की ओर से सभी प्रतिनिधियों को बनेडिया तथा लापस्या पंचायत की विजिट करवाते हुए जतन के कार्यों को बताया गया.

संजीवनी : स्वास्थ्य सखी

चयनित दस पंचायतों में प्रवासी परिवारों के साथ संजीवनी का कार्य सराहनीय रहा. मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने में संजीवनियों की भूमिका काफी मददगार रही. बनेडिया से संजीवनी नंदू कुंवर तथा सकरावास की सीता कुमावत के कार्यों को समाचार पत्र 'राजस्थान पत्रिका' ने प्रमुखता से प्रकाशित किया.

परवाज़ : युवा प्रवासियों का अपना केंद्र

गंगापुर तथा चावण्डिया (भीलवाड़ा) के पश्चात इस वर्ष कुरज तथा रेलमगरा में भी परवाज़ केंद्र की स्थापना की गयी. युवा प्रवासी श्रमिकों में जागरूकता निर्माण तथा विविध सामाजिक मुद्दों पर उनकी समझ स्पष्ट करने में ये केंद्र काफी सफल सिद्ध हुए. गंगापुर केंद्र में इस वर्ष फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया वहीं कुरज केंद्र ने प्रवासी श्रमिक अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. रेलमगरा केंद्र ने 'कबाड से जुगाड़' कार्यशाला के द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी सामग्री निर्माण की कला भी सीखी. चारों केन्द्रों से फ़िलहाल 122 युवाओं का सीधा जुड़ाव है.

सशक्त महिलाएं

पंचायतों में बराबर भागीदारी

मातृत्व स्वास्थ्य

उगेर : सुरक्षित माहवारी अभियान

उम्मीद: परामर्श केंद्र

घटता लिंगानुपात

पंचायतों में बराबर भागीदारी

राजसमन्द जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े जिले में पंचायतीराज व्यवस्था के अंतर्गत महिलाओं को बराबर चुनाव लड़ने के मौके तो संविधान के 73वे और 74 वें संशोधन ने दे दिए किन्तु उन्हें समाज में बराबरी पर खड़ा करने में एक लम्बा वक़्त लगा. द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से रेलमगरा में हुई शुरुआत को इस वर्ष राजसमन्द ब्लॉक तक बढाया गया.

रेलमगरा में 143 महिला पंच सरपंचों के मज़बूत संगठन के पश्चात इस वर्ष राजसमन्द में भी 155 महिला जनप्रतिनिधियों के संगठन ने आकर लेना शुरू किया. सतत प्रयास एवं प्रशिक्षणों से महिलाएं भी खुलकर सामने आने लगीं और इस तरह एक नए युग की शुरुआत हुई.

महिला पंच सरपंच संगठन: सितम्बर 2013 में राजसमन्द में भी महिला जनप्रतिनिधियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए नए संगठन की स्थापना की. संगठन ने शंकरी देवी जाट (भावा) को सर्वसम्मति से अपना अध्यक्ष चुना. शुरूआती दिनों में जतन के अतिरिक्त रेलमगरा संगठन ने भी सक्रिय सहयोग द्वारा राजसमन्द को एकता के लाभ समझाए. वर्तमान में 14 सदस्यीय कार्यकारिणी तथा 32 सदस्यीय सहयोगी सभा का प्रारूप तैयार हुआ.कार्यकारिणी ने सतत प्रयासों से पूरे उपखंड की महिला वार्ड पंच-सरपंचों को संगठन से जोड़ा.

महिला पंच सरपंच संगठन रेलमगरा ने इस वर्ष मुख्यतः मातृत्व स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा, गाँव में सामुदायिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पंचायत निजी आय विस्तार, आंगनवाडी निरीक्षण सहित कई स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया. दिल्ली में हुए बलात्कार काण्ड के बाद उपजे हालातों में संगठन ने जतन के सहयोग से राजसमन्द तथा रेलमगरा में "मौन" रैली तथा कैंडल मार्च किया. इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं जुटी. तत्काल बाद महिला हिंसा के विरुद्ध चले 16 दिवसीय अभियान के दौरान 14 पंचायतों के 47 गांवों में ग्राम बैठक, नुक्कड़ चर्चा, रैली, पोस्टर, नारा लेखन, नुक्कड़ नाटक, फिल्म प्रदर्शन आदि गतिविधियों द्वारा लगातार प्रयास किये गए. महिलाओं से अपील की गयी कि वे चुपचाप घरेलू हिंसा को सहन करने की बजाय मुखर हो. अभियान में रेलमगरा संगठन का व्यापक सहयोग एवं समर्थन रहा.

महिला ग्राम सभा: फ़रवरी 2014 में राज्य सरकार द्वारा विशेष महिला ग्राम सभा के आयोजन की घोषणा के पश्चात दोनों उपखंडों में सभी 58 पंचायतों में महिला ग्राम सभा आयोजन में जतन की प्रमुख भागीदारी रही. विशेष प्रचार सामग्री प्रकाशित करवा कर जन जागरूकता निर्माण का कार्य किया गया. फलस्वरूप बड़ी संख्या में

Om

"जब नयी नयी सरपंच बनी तो घरवाले काम नहीं करने देते. जतन की बैठकों में जाने लगी तो बोले, सब फ़ालतू काम है, तुम घर बैठो...बाकी हम देख लेंगे.

मन कचोटता, क्या इसिलए सरपंच बनी हूँ? मंजू दीदी और सुमित्रा दीदी जब भी मेरे गाँव आते मुझे पंचायती कामकाज से सम्बंधित कोई न कोई नयी बात बता जाते. ऐसा करते करते 06 महीने गुज़र गए. एक दिन तय कर लिया, अब पंचायत में कठपुतली नहीं बनूँगी. निश्चय दृढ था तो तरह तरह के दबाव भी शुरू हो गए. गाँव वालों के आरोप शुरू. कोई कहता, मुझ पर किसी का 'बुरा' साया है. नरेगा पर जांच करने गयी तो मेट ने बुरा भला कहा. स्कूल गयी तो कोई रिकॉर्ड दिखाने को तैयार नहीं !

मैंने महिला पंच सरपंच संगठन से मदद मांगी. उन्होंने साथ दिया, हर मौके पर मेरे साथ खड़े रहे. मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आ गया तब भी. बस फिर क्या था, मैंने अपनी समझ से सबको साथ लेकर काम करना शुरु किया. आज बदलाव दिखता है. एक बार पोषाहार की कालाबाजारी क्या पकड़ी,सब लाइन पर आ गए. अब ग्राम सभा में सब आते हैं. महिलाएं भी. सबकी बात सुनी जाती है. मेरे गाँव की हर बेटी स्कूल जाती है. 12 से ज्यादा ऐसे परिवार है, जहाँ बेटियां ही है और घर में बेटे की चाह नहीं.

- मांगी बाई जटिया
  सरपंच, पछमता (रेलमगरा)

राजसमन्द में **02** मज़बूत महिला पंच-सरपंच संगठनों का गठन

650+ से ज्यादा वर्तमान/ पूर्व महिला जनप्रतिनिधियों का सीधा जुड़ाव

10 जेंडर पंचायत संदर्भ केन्द्रों का संचालन

20 महिला जागरूक मंचों का सीधा सहयोग

Om

महिलाओं ने ग्रामसभा में आकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपना पक्ष रखा तथा क्षैत्र में महिलाओं तथा बच्चों से जुड़े मुद्दों पर प्रस्तावित कार्यों हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए.

जेंडर पंचायत संदर्भ केन्द्रों की शुरुआत

राजसमन्द की 10 पंचायतों मोही, कुंवारिया, पीपरड़ा, मादडी, भावा, राज्यावास, भाटोली, फरारा, तासोल तथा फियावडी पंचायतों में जेंडर पंचायत संदर्भ केन्द्रों का उद्घाटन इस वर्ष में हुआ. केन्द्रों को आरम्भ करने के पीछे प्रमुख उद्देश्य क्षैत्र की महिलाओं की जेंडर पर समझ स्थापित करना तथा जेंडर भेदभाव के कारण हो रही हानि को रोकने में सहायता, विविध राजकीय लाभकारी योजनाओं से जोड़ना, मिलने वाले लाभों के विभिन्न अवरोधों को दूर करना तथा महिलाओं को राजनैतिक पटल पर आगे लाना था. केन्द्रों के द्वारा 4300 से ज्यादा महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला. इनमे 32% महिलाओं को विधवा एवं, वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत करवाने, 28% महिलाओं को इंदिरा आवास योजना का लाभ, 09% महिलाओं को घरेलू हिंसा के विरुद्ध सलाह दी गयी.

राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा कानून से सम्बंधित कई अडचनों में जेंडर पंचायत संदर्भ केन्द्रों की भूमिका काफी अच्छी रही. खाद्यान्न कूपन में गड़बड़ी, राशन कार्ड की गड़बड़ी जैसे 1050 मामलों को सीधे पंचायत प्रतिनिधियों के समक्ष रखा गया तथा वांछितों को कानून का लाभ पहुँचाने में मदद प्रदत्त की गयी.

फागुन, लगातार दूसरा साल

महिलाओं के अपने मेले फागुन का आयोजन लगातार दूसरे वर्ष 10 मार्च को राजसमन्द में आयोजित हुआ. किसी भाषण य औपचारिक उद्घाटन के यह मेला पूरी तरह से महिलाओं हेतु विविध खेल स्पर्धाओं, खाने पीने, नाच- गाने आदि को समर्पित रहा.

साफा बांधो प्रतियोगिता, जलेबी रेस, कुर्सी रेस, चम्मच रेस, रस्साकस्सी, रुमाल झपट्टा, मटकी दौड़, बोरी दौड़ आदि में महिलाओं ने खूब भागीदारी निभाई. विजेताओं को सम्मानित किया गया. इस दौरान जिले भर से 800 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही. जतन के मार्गदर्शन में मेले का आयोजन महिला पंच सरपंच संगठन की ओर से करवाया गया.

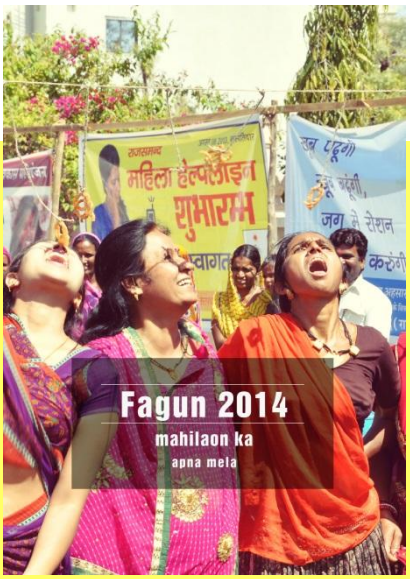

मतदान जागरूकता अभियान : नवम्बर 2013 में राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले महिला पंच सरपंच संगठन की सदस्यायों ने राजसमन्द तथा रेलमगरा में चेतना निर्माण गतिविधियों का आयोजन किया. कांकरोली के जलचक्की चौराहे पर महादीपोत्सव कार्यक्रम के आयोजन के दौरान 101 दीप जलाकर लोगों का ध्यान चुनावों के प्रति आकृष्ट किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुटे. रेलमगरा के दरीबा कसबे में बाइक रैली का आयोजन, रेलमगरा में केंडल रैली, राजसमन्द में 500 से अधिक नागरिकों सहित रैली, हस्ताक्षर अभियान, मतदान की शपथ आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया.

जनसंवादों का आयोजन: राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा क़ानून के प्रति चेतना निर्माण और अधिकाधिक समुदाय तक इसका लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से राजसमन्द की 10 पंचायतों में जनसंवादों का आयोजन जनवरी-फ़रवरी माह में किया गया. इस दौरान खाद्यान्न प्राप्त करने के दौरान आ रही अडचनों को दूर करने तथा कालाबाजारी रोकने हेतु समुदाय को जागरूक करने के कार्य किये गए.

ऑस्ट्रेलिया प्रतिनिधि मंडल से मिलीं जनप्रतिनिधि: 17 फ़रवरी को ऑस्ट्रेलिया से आये प्रतिनिधि मंडल ने पछमता तथा जुनदा में स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की. इस दौरान सरपंचों ने अपने कार्यों का ब्यौरा दिया. विदेशी मेहमान महिला जनप्रतिनिधियों के कामों से काफी प्रभावित नज़र आये. इसके अतिरिक्त राजसमन्द एवं रेलमगरा के चयनित जनप्रतिनिधियों ने इस वर्ष रालेगन सिद्धि (महाराष्ट्र) में प्रसिद्द समाजसेवी **अन्ना हजारे** से मिलकर अपने ब्लाक में किये जा रहे संगठनात्मक कार्यों को बताया. इसके अतिरिक्त दोनों संगठनों की प्रमुख कार्यकारिणी सदस्यायों से राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के महासचिव **राहुल गाँधी** ने भी मुलाकात की. मध्य में सदस्य राजस्थान की नयी राज्यपाल मारग्रेट अल्वा तथा पंचायतीराज मंत्री गुलाबचंद कटारिया से मिलकर भी आये.

मीडिया के साथ संवाद: वर्ष में दो बार दोनों संगठनों ने राष्ट्रीय मीडिया के साथ आयोजित परिचर्चा में क्षेत्र में आ रही समस्याओं को सामने रखा तथा व्यक्तिगत एवं संगठन के सहयोग से क्षेत्र विकास में किये जा रहे कार्यों के ब्योरे को भी प्रस्तुत किया.

Ethiopian Team

इथियोपिया: साथ और समझ

राष्ट्र की सीमाओं से दूर साझी विरासत को समझने, अपने कौशल का विकास करने तथा अन्य स्थानों पर NGOs की कार्यप्रणाली को समझने के उद्देश्य से जतन की 06 सदस्यीय टीम ने अफ़्रीकी राष्ट्र इथियोपिया का दौरा किया. आर्कलिक्न्टन ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस यात्रा के दौरान जतन टीम ने "फैमिली गाइडेंस असोसिएशन ऑफ़ इथियोपिया" संस्था के कार्य को करीबी से देखा एवं समझा. युवाओं के साथ जीवन कौशल विकास के क्षेत्र में हो रहे अनुभवों को सहेजा.

बकौल गोवर्धन सिंह, यह एक अद्भुत अनुभव था जब महसूस किया कि इथियोपियन नागरिक भारतीयों को अपना मानते हैं और महात्मा गांधी का अनुसरण भी करते हैं.

मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं तथा लाभ तक पहुँच

माता एवं शिशु के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति से कार्यक्रमों की प्रभाविता मापी जाती है.राजस्थान उन राज्यों में से है जहाँ मातृ एवं नवजात शिशु मृत्यु दर अभी भी ऊँची है. राज्य एवं केंद्र सरकारों के विविध कल्याकारी कार्यक्रमों के ज़रिये मातृत्व स्वास्थ्य की बेहतरी हेतु प्रयास कर रही है जिनमे जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री घी योजना, मुख्यमंत्री शुभ लक्ष्मी योजना, कलेवा योजना आदि प्रमुख है.

इन योजनाओं तक महिलाओं की पहुँच की देखरेख करने हेतु रेलमगरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के 13 गाँव में महिलाओं के बीच योजनाओं के प्रचार प्रसार तथा प्राप्त सेवाओं की जानकारी एकत्रण सम्बन्धी कार्य किया गया. इस दौरान स्थानीय महिला लीडरों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, पुरुषों, गर्भवती, धात्री एवं सामान्य महिलाओं के साथ विषय आधारित समूह चर्चा की गयी एवं साक्षात्कार द्वारा सूचनाएं संकलित की गयी.

Bhupen

महिलाओं का चयन एवं महिला लीडरों का प्रशिक्षण

सबसे पहले रेलमगरा उपखंड के चयनित 13 गांवों में ऐसी महिलाओं का पता लगाया गया, जिनका प्रसव जनवरी- जून 2013 के मध्य रहा हो. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ANM, आशा तथा स्थानीय दाईयों के साथ ग्राम सर्वे करने पर ऐसी 121 महिलाओं का पता चला. 13 महिलाएं ऐसी थी जो पीहर में प्रसव हेतु आई थी और अपने ससुराल लौट चुकी थी. तत्पश्चात क्षैत्र की ही ऐसी महिला लीडरों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया, जो चयनित महिलाओं के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बंधित सर्वे तथा अन्य अध्ययन में सहयोग कर सके. ऐसी महिलाओं को चेकलिस्ट भरने तथा महिलाओं से गंभीरता पूर्वक बातचीत करने का सतत प्रशिक्षण दिया गया.

सतत निगरानी

पूरे वर्ष गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं तथा किशोरियों को मिलने वाली योजनाओं के लाभ की सतत निगरानी की गयी. इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रदत्त स्कीम, कलेवा योजना, जननी सुरक्षा तथा जननी शिशु सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री घी योजना आदि की लगातार निगरानी की गयी. सबला कार्यक्रम के तहत किशोरियों को आंगनवाडी द्वारा देय अनुलाभों का भी निरीक्षण कर चेकलिस्ट भरी गयी.

इस दौरान प्रत्येक सम्बंधित मातृत्व टीकाकरण दिवस पर विशेष रूप से यह देखा गया कि सभी गर्भवती एवं धात्री महिलओं की ठीक से जाँच की जा रही है अथवा नहीं. साथ ही इस सम्बन्ध में भी आंकड़े इकठ्ठा किये गए कि स्वास्थ्य केंद्र/ उपकेन्द्र का वातावरण महिलाओं के अनुकूल है कि नहीं.

विषय केन्द्रित महिला बैठकें

सभी 13गांवों में लगातार विषय आधारित महिला समूह बैठकें (फोकस ग्रुप डिस्कशन) आयोजित करके उनसे यह जानने की कोशिश की गयी कि उन्हें गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण सम्बन्धी सुविधओं तक पहुँच बनाने हेतु किस किस प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सभी प्राप्त सूचनाओं की भी पुष्टि करते हुए सूची बनाई गयी.

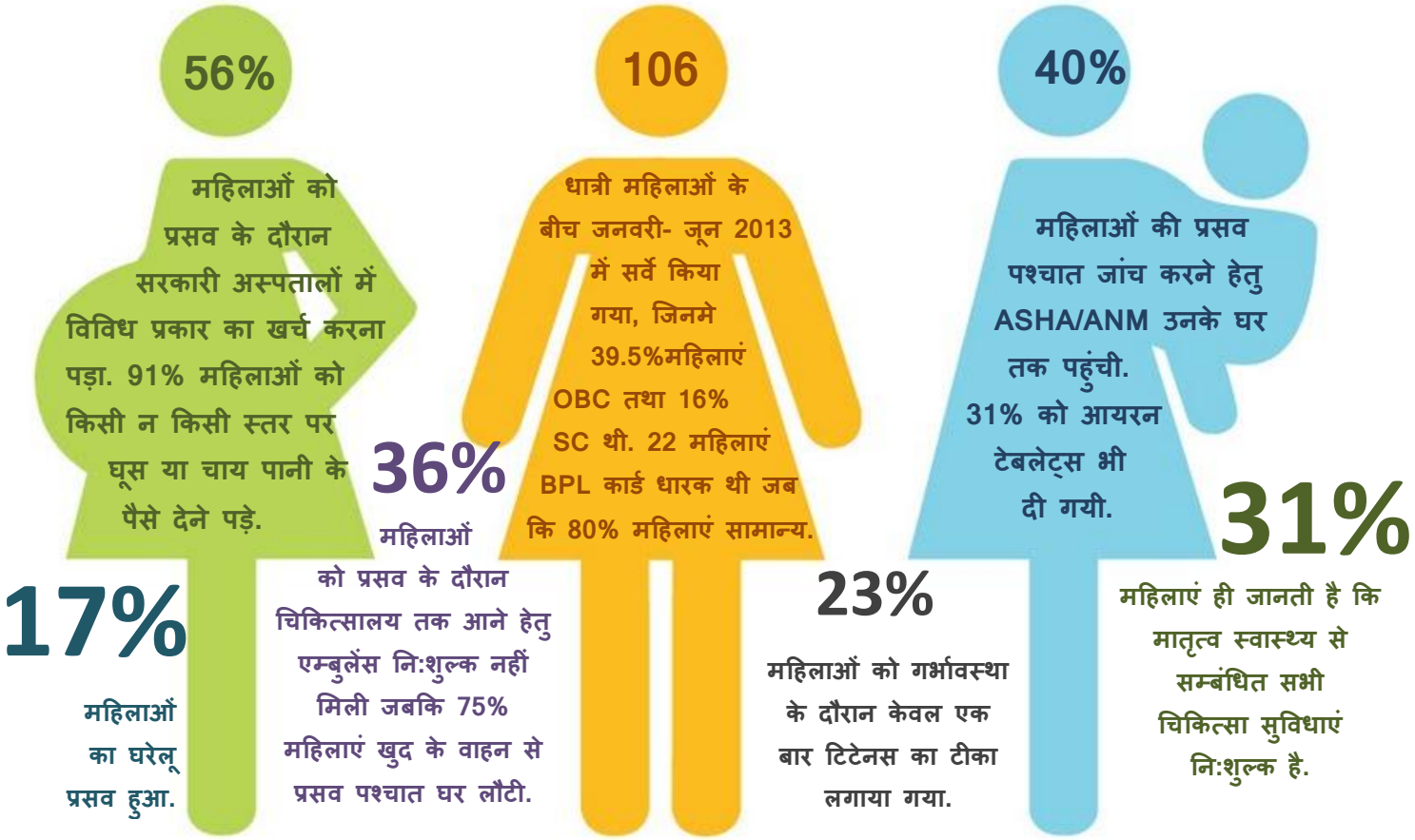

स्त्रोत: चेतना-जतन मातृत्व स्वास्थ्य सर्वे 2013-14, रेलमगरा ब्लाक

डाटा विश्लेषण एवं सतत पैरवी

चेकलिस्ट तथा लगातार निगरानी से प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण से प्राप्त रिपोर्ट को सबसे पहले स्थानीय महिलाओं के समक्ष रखा गया. तत्पश्चात जनसंवाद का आयोजन करके रिपोर्ट तथा केस स्टडी'ज को स्थानीय प्रशासन, शासन, सिविल सोसायटी तथा महिलाओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया.

प्राप्त रिपोर्ट को सहयोगी संस्था चेतना (अहमदाबाद) की कार्यक्रम अधिकारी वैद्य स्मिता बाजपेई के सहयोग से जयपुर मेशासन सचिव तथा अन्य सम्बंधित अधिकारीयों के समक्ष पटल पर भी रखा गया तथा स्थितियों में सुधार का अनुरोध किया गया.

उदयपुर में आयोजित संभाग स्तरीय मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए धरातल पर विविध योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति प्रस्तुत की गयी.

वर्तमान में मातृत्व स्वास्थ्य पर लगातार पैरवी का कार्य जारी है तथा नि:शुल्क चिकित्सा एवं पोषण सम्बन्धी लाभों की सुनिश्चितता हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं.

जनसंवाद के बाद बदला CHC का स्वरुप

19 सितम्बर 2013 को रेलमगरा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र से जुडी शिकायतों में स्वास्थ्य कर्मियों का अशिष्ट व्यवहार, आशा अथवा अन्य कनिष्ठ अनाधिकृत कर्मियों द्वारा प्रसव, प्रसव हेतु अथवा सफाई या बधाई के नाम पर पैसों की मांग, अस्पताल का गन्दा परिसर, पीने के पानी की कमी, पुरुषों की पोस्ट नेटल वार्ड में बगैर रोकटोक आवाजाही, समय पर जननी एक्सप्रेस का नहीं पहुंचना आदि समस्याएं गिनाई.

संवाद में उपस्थित ब्लाक मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने इन समस्यायों को नोट करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर बदलाव की पहल का आश्वासन दिया.

सतत पैरवी से बदलाव दिखाई देने लगे. आज प्रसव कक्ष अपेक्षाकृत काफी साफसुथरा है. वेस्ट के लिए अलग अलग रंग के कचरा पात्र लगा दिए गए हैं. प्रसव कक्ष पर एक चौकीदार की ड्यूटी रहती है. पोस्ट नेटल वार्ड में म्यूजिक थैरेपी का अनूठा प्रयोग आरम्भ करते हुए स्पीकर लगाये गए हैं तथा पूरे अस्पताल में CCTV कैमरा लगाये गए हैं. अस्पताल के बाहर रोगी कल्याण समिति के सदस्यों के नाम, प्रसव कक्ष के बाहर किसी को रिश्वत नहीं देने तथा मांग करने पर शिकायत के पोस्टर चस्पा किये गए हैं.

सुरक्षित माहवारी अभियान

सुरक्षित माहवारी अभियान जतन द्वारा युवाओं, किशोर-किशोरियों, महिलाओं तथा समाज के अन्य धड़ों के साथ माहवारी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर जागरूक करना है. इस अभियान के अंतर्गत जतन द्वारा माहवारी से जुड़े विविध पहलुओं पर शोध किया जा रहा है. इस वर्ष 42 स्कूल एवं कॉलेजों में 1080 से अधिक किशोरियों, किशोरों तथा युवाओं के साथ इस विषय तथा इस से जुड़े विविध पहलुओं पर खुली चर्चा हेतु सेमिनारों का आयोजन किया गया. इन सेमिनार्स के द्वारा माहवारी से जुड़े अंधविश्वासों एवं धारणाओं के पीछे के व्यर्थ तथ्य, ग्रामीण एवं शहरी क्षैत्र में माहवारी प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता, इस विषय पर समाज के सभी वर्गों में चुप्पी को तोडना तथा माहवारी के दौरान होने वाली शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों पर खुलकर चर्चा की गयी.

इस दौरान बाज़ार में मिलने वाले सेनेटरी पैड्स के उपयोग से आर्थिक, शारीरिक तथा पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर भी बात की गयी.

सुरक्षित माहवारी अभियान के तहत ही जतन ने विकल्प डिजाइन के साथ मिलकर 'उगेर' कॉटन पैड्स का उत्पादन एवं विपणन भी इस वर्ष से अधिकारिक रूप से कर दिया. रियूज़ेबल तथा वाशेबल उगेर पैड्स को इस वर्ष बाज़ार से शुरूआती अच्छा रेस्पोंस मिला. विविध स्थापित ब्रान्डों के बीच उगेर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

इस वित्तीय वर्ष में उगेर ऑनलाइन बिक्री हेतु उपलब्ध हो गया. जतन की वेबसाईट के अलावा दो अन्य प्रमुख ऑनलाइन सेल वेबसाइट्स पर उगेर की उल्लेखनीय बिक्री रही.

Om

माहवारी प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

22 जनवरी को उदयपुर में आयोजित सेमीनार में इथियोपिया, ब्रिटेन के शोधार्थियों सहित लखनऊ, दिल्ली, पुडुचेरी, अहमदाबाद, जयपुर सहित देश के कई शहरों से विषय विशेषज्ञ जुटे. राजसमन्द कलक्टर डॉ. प्रीतम बी. यशवंत ने सेमीनार को चेयर किया जबकि बोर्ड सदस्या लक्ष्मी मूर्ति ने माहवारी प्रबंधन पर अब तक के इतिहास और वर्तमान में विश्व भर में अपनाये जाने वाले साधनों पर प्रकाश डाला. इथियोपिया प्रतिनिधि मंडल ने अफ़्रीकी देशों की स्थिति पर चर्चा की जबकि उगेर से जुडी साध्वी ठुकराल ने अंध किशोरियों हेतु माहवारी प्रबंधन हेतु तैयार मोड्यूल को समझाया. सेमीनार में 80 से अधिक अतिथि जुटे.

उम्मीद: महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र

राजसमन्द राजस्थान के उन चुनिन्दा जिलों में हैं जहाँ महिलाओं पर हिंसा का स्तर काफी अधिक है. यदि राजस्थान पुलिस द्वारा जारी वार्षिक क्राइम रिपोर्ट देखें तो महिलाओं के विरुद्ध हिंसा में वर्ष 2012 के मुकाबले 2013 में 67 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी. महिलाओं के सम्मान पर आघात जैसे मामलों में 105.31% की वृद्धि जबकि बलात्कार के रजिस्टर्ड मामलों में 60% की वृद्धि देखी गयी. वास्तव में अगर देखा जाये महिलाओं के प्रति हिंसा के मामले दर्ज मामलों से कई अधिक होंगे जो सामने ही नहीं आये !

वर्ष 2011 में राजसमन्द में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जतन संस्थान ने राजस्थान सरकार के साथ मिलकर महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्र की स्थापना की. केंद्र का मुख्य कार्य महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना तथा हिंसा के विभिन्न प्रकारों के प्रति उन्हें जागरुक करना था. इस दौरान केंद्र की मुख्य गतिविधियों में केंद्र तक पहुंची महिलाओं को उचित सलाह देना तथा चयनित थाना क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में जाकर वहां जागरूकता प्रसार का कार्य करना था. इस दौरान केंद्र द्वारा चयनित 25 गांवों में मासिक बैठकें आयोजित की गयी तथा 1287 महिलाओं तक पहुँच बनाई.

भीम थाना क्षैत्र में हुई एक घटना के बाद मौन रैली तथा 14 फ़रवरी को 'उमड़ते सौ करोड़' रैली में आम समाज का काफी अच्छा रेस्पोंस जतन को मिला. केंद्र पर इस वर्ष 167 परिवाद दर्ज किये गए, जिनमे सर्वाधिक विवाह विच्छेद से सम्बन्धी उचित सलाह एवं मार्गदर्शन से जुड़े मामले थे. डायन प्रथा, पति द्वारा घर से निकाल देना, भरण-पोषण, चरित्र पर शक, मानसिक प्रताड़ना के मामले के मामले थे.

जतन द्वारा इस दौरान महिला हिंसा विरोधी पखवाडा मनाते हुए रेलमगरा की 14 पंचायतों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया. मीडिया तथा पुलिस को संवेदनशील करने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला में 65 से अधिक संभागी जुटे.

महिला हेल्प लाइन
9352-004-003
घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न आदि से पीड़ित महिलाएं तत्काल फोन करें.
डरो मत, फोन करो
जतन संस्थान, राजसमन्द
www.jatansansthan.org

08 अगस्त 2013 को दक्षिणी राजस्थान की पहली महिला हेल्पलाइन की शुरुआत राजसमन्द जिला कलक्टर डॉ. प्रीतम बी. यशवंत तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. रामदेवसिंह ने की. 24x7 हेल्पलाइन का दायरा पहले पहल राजसमन्द तक ही सीमित रखा गया किन्तु मीडिया द्वारा इसे राष्ट्रीय स्तर पर कवर करने के बाद देश भर से इस पर फोन आना आरम्भ हुए. जतन द्वारा सभी स्थानों पर आपात मदद पहुँचाने हेतु स्थानीय पुलिस तथा अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद ली गयी.

माह अगस्त से मार्च 2014 तक हेल्पलाइन पर 500+ फोन आये, जिनका डाटा सुरक्षित रखा गया तथा तत्काल सहायता पहुंचाते हुए बाद में फोलोअप भी किया गया.

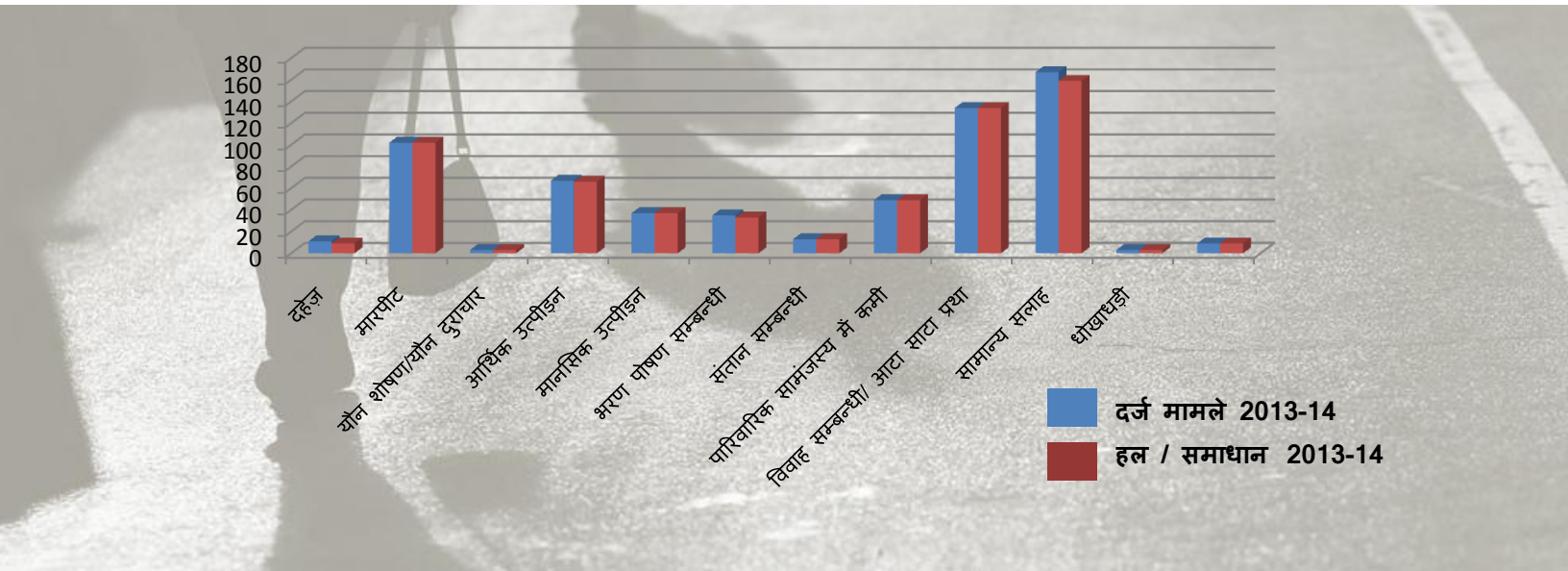

बेटियों की बातें

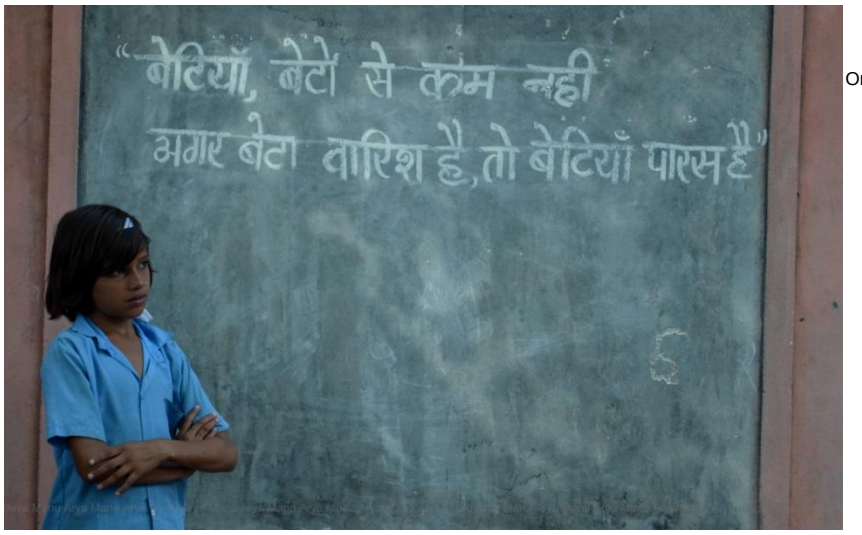

Om

राजसमन्द में लगातार गिरते शिशु लिंगानुपात (936 से गिरकर 891, *वर्ष 2011 जनगणना*) को दृष्टिगत रखते हुए जतन संस्थान ने दो ब्लाक, राजसमन्द एवं रेलमगरा में बालिकाओं के सम्मानित जीवन की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से 'बेटियों की बातें' कार्यक्रम का संचालन किया. इस हेतु गाँव स्तर पर कार्य कर रहे राजकीय कर्मी, स्थानीय ग्रामीण, स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधि आदि के साथ चेतना निर्माण कार्यक्रम चलाया गया. जिला स्तर पर प्रशासन, शासन उच्चाधिकारियों, चिकित्सकों के साथ अलग से पैरवी करते हुए इस विषय पर संवाद स्थापित किया गया.

बेटियों की बातें कार्यक्रम का मुख्य घटक '**सृष्टिदायिनी सम्मान**' रहा. इसके तहत उन सभी दम्पत्तियों को सम्मानित किया गया, जिनके एक अथवा दो बेटियाँ हैं और जो अब बेटा नहीं चाहती. सम्मान के तहत कलक्टर हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र ब्लाक स्तरीय कार्यक्रम में भेंट किया जाता है. इस वर्ष दोनों ब्लाक में कुल 161 माताओं को यह सम्मान दिया गया. सर्वाधिक 28 माताओं को फियावडी में सम्मानित किया गया.

गोद भराई रस्म के तहत इस दौरान सभी गर्भवती महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र स्तर पर सम्मानित किया गया. अगस्त में आयोजित **मीडिया सेमीनार** के दौरान प्रिंट तथा इलेक्ट्रोनिक मीडियाकर्मियों के साथ इस विषय पर अधिक जागरूक रहने तथा विषय सम्बंधित कवरेज हेतु चर्चा की गयी. गणतंत्र दिवस परेड के दौरान लगातार तीसरे वर्ष बेटियों के महत्व को दर्शाते हुए झांकी सजाई गयी. स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में जिला कलक्टर ने शिरकत करते हुए जतन की पहल की सराहना की.

ग्राम स्तर पर चेतना निर्माण हेतु नुक्कड़ चर्चा, रैली, नारा लेखन, **नुक्कड़ नाटक**, फिल्म प्रदर्शन आदि गतिविधियों द्वारा ग्रामीणों को इस विषय पर गभीरता पूर्वक सोचने हेतु तैयार किया गया. चौकड़ी की किशोर मंडली ने इस विषय पर नाटक तैयार किया, जिसका मंचन अलग अलग 55 स्थानों पर हुआ. 08 जनवरी को प्रसिद्द नौचौकी पाल, राजसमन्द झील पर आयोजित जिला स्तरीय पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का मुख्य विषय भी यही रहा, जिसमे विभिन्न स्कूलों के 650 से अधिक बच्चों ने भागीदारी निभाई. विजयी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया.

नौचौकी पाल, राजसमन्द झील पर आयोजित जिला स्तरीय पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का मुख्य विषय भी घटते शिशु लिंगानुपात पर ही रहा, जिसमे विभिन्न स्कूलों के 650 से अधिक बच्चों ने भागीदारी निभाई. विजयी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया.

सक्षम बालक बालिकाएं

आँगनबाड़ी सुदृढ़ीकरण एवं निरीक्षण

उड़ान

अपना जतन

बाल मित्र विद्यालय

आंगनबाड़ी सुदृढ़ीकरण एवं निरीक्षण

राजसमन्द जिले की 100 आँगनबाड़ियों को पोषाहार निरीक्षण तथा शाला पूर्व शिक्षण हेतु जतन की ओर से वेदांता के सहयोग से गोद ली गयी. वर्ष 2011 से निरंतर इस कार्यक्रम में 05 क्लस्टर समन्वयकों तथा 01 जिला समन्यवक की टीम कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में सहयोगी है. वर्ष 2013 को स्वच्छता वर्ष के रूप में मनाते हुए बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता, केंद्र स्वच्छता तथा अधिकाधिक उपस्थिति पर ध्यान केन्द्रित किया गया.

पोषाहार वितरण एवं निगरानी: सभी आँगनबाड़ियों पर साप्ताहिक अतिरिक्त पोषाहार वितरण की जिम्मेदारी जतन ने निभाई. वितरण के पश्चात उसे पकाने तथा वितरण के निरीक्षण के कार्य को भी बखूबी देखा गया. इस हेतु इस वर्ष बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु सामूहिक प्रयास किये गए.

स्वच्छता: सभी 100 आंगनबाड़ी पर स्वच्छता पर सर्वाधिक जोर दिया गया. पोषाहार पकाने हेतु चूल्हों को केंद्र के कक्ष से बाहर स्थापित करने का कार्य चुनौतीपूर्ण रहा, किन्तु परामर्श द्वारा 70% केन्द्रों पर यह कार्य संपन्न किया गया. साप्ताहिक हाथ धुलाई दिवस सभी केन्द्रों पर मनाये गए. केंद्र की स्वच्छता हेतु भी स्थानीय ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जल समिति की सहायता से प्रयास किये गए. बालकों तथा परिजनों के साथ खेल गतिविधियों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता के सत्र लिए गए.

शाला पूर्व शिक्षण: सभी क्लस्टर समन्वयक स्वयं पहल करते हुए शाला पूर्व शिक्षण में शरीक हुए तथा सभी 100 आँगनबाड़ियों पर बच्चों के साथ संसाधन सामग्री के सहयोग से शिक्षण कार्य किया. इस दौरान ICDS द्वारा जारी शिक्षा कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किया गया.

स्तनपान सप्ताह: 1-7 अगस्त 2013 को विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन करते हुए स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर 95 आँगनबाड़ियों पर विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान माताओं के दूध की नवजात शिशुओं हेतु उपयोगिता से सम्बंधित महिला बैठकें आयोजित की गयी तथा रैली का आयोजन किया गया.

Om

उड़ान

लीला पढने में अच्छी है किन्तु उसके परिजन उसे पढाना नहीं चाहते थे. उसकी शादी 12 साल की उम्र में ही कर दी गयी और उसका स्कूल छुडवा दिया गया. वर्तमान में लीला एक प्राइवेट स्कूल की कक्षा 10 में पढ़ती है और इस मार्च में उसने बोर्ड परीक्षा पूरे आत्मविश्वास के साथ दी है. लीला उन लड़कियों के समूह में शामिल है, जिन्हें जतन की बेटियां कहा जाता है.

ग्रामीण किशोरियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से जतन द्वारा वर्ष 2011 में 06 किशोरियां सकरावास पंचायत से गोद ली गयी. ये वे किशोरियां थी जिनके परिजन अलग अलग कारणों से उन्हें भविष्य में उच्च शिक्षा देने के पक्ष में नहीं थे. परिजनों के साथ समझाइश के कई दौर के बाद वे अपनी बेटियों को शिक्षा हेतु जतन को गोद देने को राजी हुए.

कोचिंग: सभी 06 लड़कियों की प्रतिदिन विषयवार कोचिंग कक्षाएं स्कूल जाने से पहले तथा स्कूल से आने के पश्चात जतन परिसर में ही आयोजित होती हैं. इस हेतु अलग अलग विषय विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देते हैं.

करियर उपयोगी सलाह: बड़ी किशोरियों को करियर से जुडी सलाह, विभिन्न क्षेत्रों में सफल महिलाओं से मुलाकात आदि विविध गतिविधियों द्वारा इस वर्ष भविष्य में करियर निर्धारण हेतु सहायता की गयी. इस दौरान पुलिस, चिकित्सा, कानून, राजनीति, कृषि, लेखा आदि क्षेत्रों में सफल महिलाओं के साथ किशोरियों के विविध सत्र रखे गए.

समग्र विकास: स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं, आर्ट एवं क्राफ्ट, सामान्य ज्ञान, खेल, स्वास्थ्य एवं पोषण पर सामान्य ख्याल आदि विविध विषयों पर समय समय पर अनुभवी दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा सत्र लिए गए. प्रति शनिवार ज्ञानपरक फिल्म प्रदर्शन, प्रति शुक्रवार खेल दिवस आदि के द्वारा बच्चियों के समग्र विकास पर ध्यान रखा गया.

सामग्री सहयोग: सभी 06 बच्चियों के लिए स्कूली गणवेश, पाठ्य सामग्री, स्कूल बेग के साथ समय समय पर अन्य आवश्यक उपयोगी सामग्री भी जतन की ओर से उपलब्ध करवाई गयी.

शैक्षिक भ्रमण: इस वर्ष बच्चियों का शिल्पग्राम (उदयपुर), चितौडगढ़, हल्दीघाटी का शैक्षिक भ्रमण रखा गया. इसके अतिरिक्त उदयपुर में शौपिंग मॉल का भ्रमण करवाते हुए शापिंग सिखाई गयी. पंचायत समिति, जिला परिषद्, अस्पताल, पुलिस स्टेशन आदि का भ्रमण भी करवाया गया.

अपना जतन केंद्र

उदयपुर के कच्ची बस्ती क्षैत्र नीमचखेड़ा में स्थित अपना जतन केंद्र क्षैत्र के बच्चों एवं किशोर किशोरियों की शाला पूर्व शिक्षा, कोचिंग, पोषाहार, अस्कुलित बच्चों एवं किशोर-किशोरियों हेतु वैकल्पिक शिक्षा हेतु क्षैत्र का प्रमुख स्थल है.

तीन सत्रों में संचालित केंद्र में जहाँ कामकाजी महिलाओं के 05 वर्ष से छोटे बच्चों हेतु पालनाघर संचालित हैं वहीँ स्कूल नहीं जाने वाले अथवा ड्रॉपआउट बच्चों हेतु वैकल्पिक एवं जीवन कौशल शिक्षा हेतु विविध सत्रों का आयोजन होता हैं. स्कूल जाने वाले बच्चों हेतु अपरान्ह यहाँ आकर विभिन्न विषयों पर कोचिंग प्राप्त करने की भी सुविधा उपलब्ध है.

पोषण हेतु प्रयास: अपना जतन केंद्र में अस्कुलित एवं ड्राप आउट बच्चों हेतु दोपहर के भोजन तथा वैकल्पिक पोष्य पदार्थों का वितरण निरंतर जारी है. इन पदार्थों में दूध, केला, खिचड़ी-दलिया, फलों का रस आदि शामिल किये गए हैं. साप्ताहिक कैलेण्डर अनुसार इनका प्रतिदिन वितरण होता है.

कोचिंग की शुरुआत: इस वर्ष अपना जतन केंद्र द्वारा 07 बच्चों को पुनः मेन\स्ट्रीम करवाया गया. इसी के साथ बस्ती के स्कूल जाने वाले बच्चों को दोपहर पश्चात कोचिंग द्वारा विज्ञानं, गणित और अंग्रेजी पढाना आरम्भ किया गया.

कंप्यूटर शिक्षा: गर्मी की छुट्टियों में इस वर्ष केंद्र के 30 बच्चों हेतु विशेष कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया. केंद्र में भी इस वर्ष 02 नए कंप्यूटर स्थापित किये गए.

आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यशाला: गर्मी के अवकाशों में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा ग्रीटिंग कार्ड, पोस्टर निर्माण, ग्राफिटी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया. इनमे 65 बच्चे लाभान्वित हुए.

अन्य गतिविधियाँ: प्रति माह पिकनिक तथा प्रति सप्ताह विशेष फिल्म प्रदर्शन एवं चर्चा सत्रों का नियमित आयोजन किया गया. मासिक अध्यापकों एवं परिजनों के साथ बैठकें एवं बच्चों की प्रगति पर चर्चा बैठकों का आयोजन किया गया.

मई में **वार्षिक समारोह** के आयोजन के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी. साल भर अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया. बच्चों ने स्वयं द्वारा निर्मित कृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई.

Day care and ore-school education service	07
Alternative education classes for school dropouts	45
Nutritional support for children (0-14)	55
Education Support	42
Total children registered in the year	67

Koni

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए CCE एवं CFS का प्रभावी क्रियान्वयन कार्यक्रम

Satyameet

बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में भयमुक्त शिक्षा हेतु विभिन्न घटकों के प्रति समझ बनाते हुए वातावरण निर्माण में अध्यापकों एवं बालकों को संबलन व प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से यूनिसेफ एवं जतन ने उदयपुर के 05 ब्लाक गिर्वा, सराडा, खेरवाड़ा, झाडोल, कोटड़ा के चयनित विद्यालयों तथा जिले की 04 कस्तूर बा आवासीय बालिका विद्यालयों में पायलट कार्यक्रम पर कार्य आरम्भ किया.

समग्र एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) तथा बाल मित्र विद्यालय (CFS) की अवधारणा, लक्ष्य एवं उद्देश्य को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया. ब्लाक तथा जिला कार्मिकों के इस विषय पर लगातार क्षमतावर्धन करते हुए सबसे पहले सम्बंधित उपखंडों की प्रोफाइल तैयार करके वहां के सम्बंधित डाईट अधिकारीयों तथा नोडल शिक्षा कार्मिकों के साथ विषय पर समझ बनानी शुरू की.

अगस्त 2013 में कार्यनीति के तहत प्रत्येक ब्लाक के अनुमानित 45 विद्यालयों में सतत संपर्क, प्रत्येक ब्लाक में नोडल विद्यालय को सन्दर्भ केंद्र के रूप में विकसित करने पर कार्य आरम्भ किया गया. इसी माह कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों की नीड असेसमेंट की गयी.

सितम्बर में डाईट प्रभारियों के साथ जबकि आगामी महीनों में अन्य अध्यापकों के साथ अवधारणा पर लगातार प्रशिक्षण आयोजित किये गये तथा सन्दर्भ सामग्री का वितरण किया गया.

सीएफएस गतिविधियों का प्रसार: आज का गुलाब, खोया पाया, हाट आदि ऐसी गतिविधियाँ रही, जिसमे विद्यार्थियों ने काफी रूचि के साथ भागीदारी निभाई. झाडोल, कोटड़ा तथा खेरवाड़ा ने इसमें बेहतर प्रदर्शन किया.

चहक का प्रकाशन: जतन की ओर से चार पृष्ठीय मासिक चहक पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ कर विद्यार्थियों के अनुभवों को साझा करने तथा प्रगति से सभी को वाकिफ करवाने की पहल की.

JIVA

सकरावास पंचायत में जॉन डियर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित जीवा परियोजना पिक्सेरा ग्लोबल और जतन का संयुक्त कार्यक्रम है. कार्यक्रम के तहत कृषि क्षैत्र में उल्लेखनीय सुधारों के साथ ग्रामीण किसानों के जीवन स्तर को सुधारने तथा शिक्षा ढांचे को मज़बूत करने का कार्य कर रहा है.

खेती में रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक उर्वरक, वर्मी कम्पोस्ट खाद, जैविक खेती हेतु प्रोत्साहन, मेढबंदी, मिट्टी स्तर की जाँच, नकदी फसलों की खेती हेतु प्रोत्साहन, फलों की खेती को बढ़ावा आदि कार्य किये गए. इस वर्ष 09 नए किसानों ने वर्मी कम्पोस्ट हेतु नेडेप पिट्स बनवाये तथा उस से तैयार खाद का प्रयोग खरीफ फसल में किया. कृषि में तकनीक का प्रयोग करते हुए इस वर्ष जॉन डियर फाउंडेशन द्वारा एक ट्रेक्टर भी ग्रामीणों को भेंट किया गया.

पंचायत की 03 विद्यालयों में आधुनिक सुविधायुक्त शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता पर बल दिया गया. स्कूल मैनेजमेंट कमिटी'ज की नियमित बैठकों द्वारा विद्यालय विकास में सिविल सोसायटी की भागीदारी सुनिश्चित की गयी. फलस्वरूप स्कूलों में ड्राप आउट दर लगभग ख़त्म हुई तथा पूर्व-ड्रॉपआउट भी पुनः स्कूलों से जुड़े. अस्कुलित किशोर-किशोरियों हेतु संचालित वैकल्पिक शिक्षा तथा कोचिंग केन्द्रों में भी बच्चों की नियमित मोनिटरिंग कर उनके शिक्षा स्तर को सुधारने हेतु उल्लेखनीय कार्य हुआ.

आंगनबाड़ी का कायाकल्प करते हुए उस की मोनिटरिंग भी ग्रामीणों के समूह को सौंपी गयी.

191 ड्राप आउट पुनः शिक्षा की मुख्य धारा में शामिल हुए 2013 तक

किसानों ने अक्तूबर में प्रशिक्षण के बाद जैविक कृषि को अपनाया **14**

100% स्कूली बच्चों के लिए मेज-कुर्सी और दरी की व्यवस्था

71 युवाओं का पदस्थापन

- इस वर्ष 168 खेतों का मृदा एवं जल परीक्षण
- प्रथम तिमाही में 72 किसानों की विविध उत्पादन एवं हार्वेस्टिंग प्रशिक्षण में भागीदारी
- 03 अपनी खेती सन्दर्भ केन्द्रों की शुरुआत
- 337 बच्चों की After-school Tutoring Program में भागीदारी
- 04 SMCs की केपेसिट बिल्डिंग हेतु सतत प्रयास
- 10 बाल संसद का गठन
- किशोर किशोरियों हेतु "सक्षम" लाइफ स्किल कार्यक्रम

Photo Courtesy:
Pyxera Globel

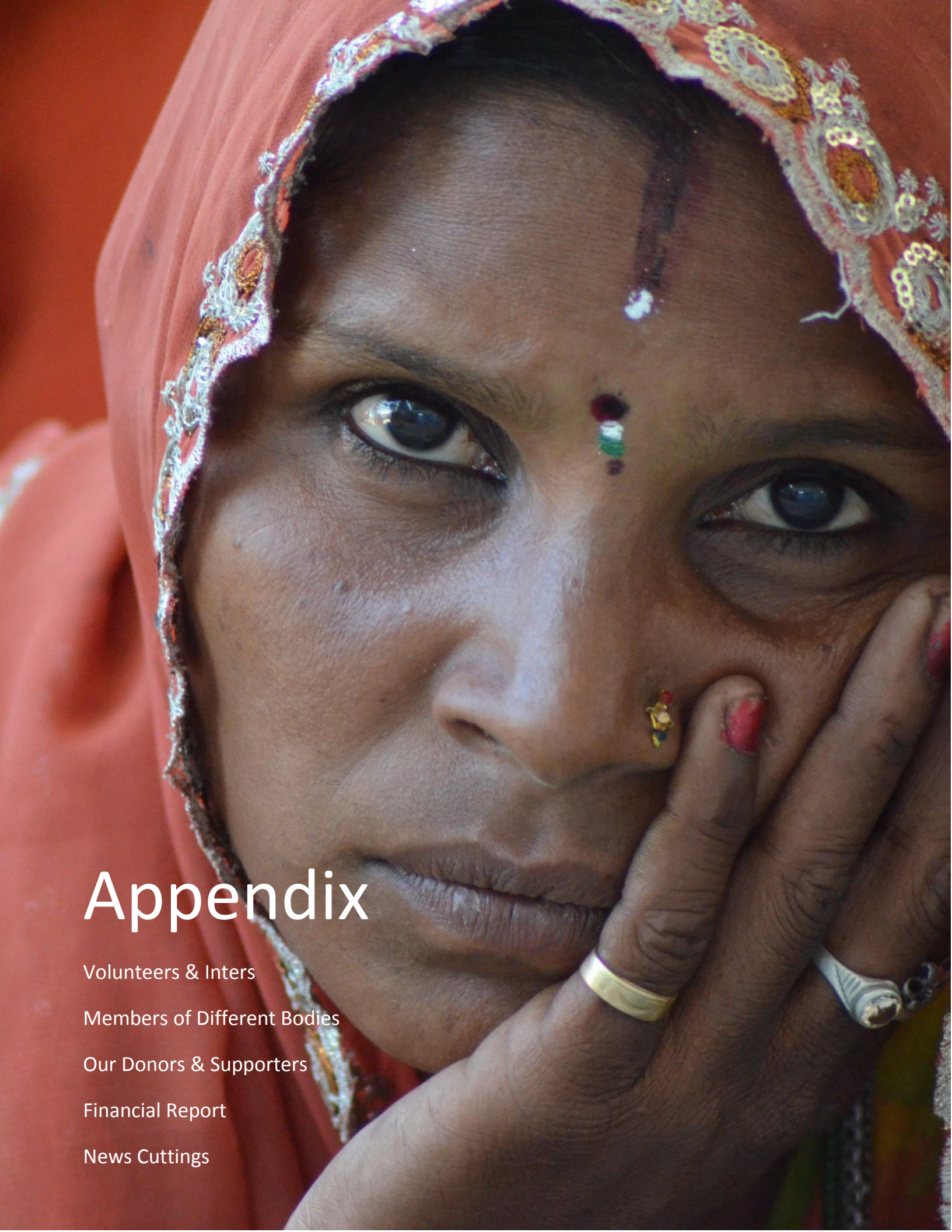

Appendix

Volunteers & Inters

Members of Different Bodies

Our Donors & Supporters

Financial Report

News Cuttings

Volunteers & Interns

Akshar Verma	DA IICT, Gandhinagar
Allison Moore	Grinnell College
Anne V.Krol(Annie)	Allegheny College, Meddville,PA,UST
Ayushi Galundia	School of Tech., PDPU
Brian Law	London school of Economics and Political Sciences, UK
Catherine Dunlop	Bristol Univ ersity
Catherine Taylor	Two way Development, UK
Claire Lovise taylor	Two way Development, UK
Devendra Purbiya	Udaipur School of Social Work, Udaipur
Dhairyaditya Rathore	Nirma University, Ahmedabad
Gopal Choudhary	Rural Tech. and Management JRNRVU
Hannah Stephenson	Bristol University
Jashoda Jain	Udaipur school of social work
Jeselene Andrade	Pine Manor College
Konstantin Michael	VIA e. V, Germany
Lakshita Arya	Uni. Of Petroleum & Energy,Dehradun
Leah Martin	University of Minnesota
Mahima Achhpal	DA IICT, Gandhinagar
Malina Piatt	Uni. Of Minnesota- Twin cities
Mary Stennes	University of Minnesota,Twin Cities,MN
Meghan Flynnperrault	Londan School of Economics
Mukesh S. Prajapti	DA IICT, Gandhinagar
Nathaniel J. Henry	The OHIO State University, USA
Nidhi Mistry	Ex. Banasthalli Vidhyapith
Nirmal Singh Rathore	Sinhgarh College of Technical Studies, Pune
Rachel Vrabec	Northwestern University
Rajendrapal Singh	Rural Tech. and Management JRNRVU, Udaipur
Ravi Sharma	Rural Tech. and Management JRNRVU, Udaipur
Reena Deora	Home Science College, Udaipur
Rohan Sharma	IIM, Udaipur
Ryan Kyle Victor	University of Minnesota, Minneapolis, Minnesota
Shakshi Mangal	DA IICT, Gandhinagar
Shridev kumar	Govt.PGCollege Harda M.P.
Shweta khera	Azimji premji University
Sophie Biermann	VIA e. V, Germany
Stephan Novak	VIA e. V, Germany
Stephanie Charouk	The George Washington University
Tanmaya Pancholi	Rural Tech. and Management JRNRVU
Taylor Heath	University of Son Francisco
Yash Nalwaya	IIT Delhi
Yogesh sankhla	DA IICT, Gandhinagar
Group of 5 Students	IIM, Udaipur

Om

STAFF

UDAIPUR

Dr. Kailash Brijwasi, *Executive Director*

Govardhan Singh Chouhan, *Program Manager*

Chhatrapal Singh Chundawat, *Program Manager*

Bhupen Kumar Sahu, *Coordinator*

Apurva Mehta, *Accountant*

Pawan Bansal, *Admin Officer/Cashier*

Ganeshi Bai, *Office Assistant*

Mahendra Singh Chadana, *Office Assistant*

Shilpi Jadon, *Instructor*

Krishnaveer Singh, *Instructor*

Rodi Bai, *Office assistant*

Azad Singh, *Driver*

RAJSAMAND

Kanhaiya lal Jingar, *Senior Coordinator*

Yogesh Soni, *Coordinator*

Rashid Mohd. Rangrez, *Field Organizer*

Umesh Acharya, *Field Organizer*

Govind Singh Chouhan, *Field Organizer*

Lakshmi Sharma, *Counselor*

Madhu Joshi, *Counselor*

Preeti Sharma, Cluster Coordinator

Rekha Salvi, *Cluster Coordinator*

Roshan lal Regar, *Cluster Coordinator*

RAIPUR

Radheshyam Ameta, *Field Organizer*

Gajendra Kumar Pushkarana, *Field Organizer*

Arjun lal Gurjer, *Field Assistant*

RAILMAGRA

Om Prakash Gayari, *Senior Coordinator*

Samarveer Singh, *Coordinator*

Afsana Banu, *Training Coordinator*

Sumitra Menaria, *Field Organizer*

Manju Khateek, *Field Organizer*

Yashoda Soni, *Field Organizer*

Pinki Khatik, *Field Organizer*

Gangaram Prajapat, *Office Assistant*

Sunil Kumar Sharma, Field Organizer

Pushkar lal Nayak, *Field Organizer*

Kanhaiyalal Rao, *Field Organizer*

Deonarayan Khatik, *Field Organizer*

Neeta Kumawat, *Field Organizer*

Shyama Vaishnav, *Field Organizer*

Mahesh Acharya, *Subject Expert*

Deepak Singh Charan, *Field Organizer*

Pushpendra Singh, *Field Organizer*

Prakash Sargara, Field Organizer

Maina Sanadhya, *Office Assistant*

Gopal Suthar, *Field Organizer*

Prashant Panda, *Field Organizer*

Ratanlal Meena, *Field Organizer*

Govind Singh Chouhan, *Field Organizer*

Rekha Joshi, *Subject Expert*

Maya Ameta, *Subject E*xpert

STAFF | Facilitators

RAILMAGRA

Bheru Shankar Tiwari, *Oda*

Saroj Rajpur, *Chaukdi*

Manju Kalal, *Kuraj*

Ratan Singh, *Kundia*

Pawan Tiwari, *Kanha kheda*

Seema Sharma, *Sadri*

Uma Bhaat, *Chaapakhedi*

Bherulal Gadri, *Baithumbi*

Ratan Salvi, *Lapsya*

Asha Salvi, *Sadri-bhil basti*

Tara Dadhich, *Pachhamata*

Sunita Jat, *Pachhamata*

Mehtabi Kalbelia, *Banedia*

Yashoda Vaishnav, *Junda Khedi*

Gouri Jat, *Jeetawas*

Tara Regar, *Pipli Ahiran*

Megha Sanadhya, *Oda*

Afsana Banu II, *Sindesar Kalan*

Kalulal Gameti, *Panotia*

Kanhaiya lal Vaishnav, *Sindesar*

Sheela Sharma, *Pipli Dodiyan*

Rekha Tailor, *Pipli Ahiran*

Seeta Salvi, *Junda*

ADVISORY COMMITTEE

Dr. Kailash Brijwasi
Director, Jatan Sansthan,
Udaipur

Lakshmi Murthy
Designer and Social Communicator
Vikalp Design, Udaipur

Goverdhan Singh
Program Manager,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Pro. Asha Singhal
Rtd. Professor, College of Home Science,
Udaipur

Dr. Sarla Lakhawat
Asst. Professor,
Ajmer

Mohd. Yusuf Khan
Rtd. Civil Engineer,
Udaipur

Avnish Nagar
Asst. Professor,
Udaipur School of Social Work, Udaipur

Manoj Dashora
Accountant, Railmagra
Rajsamand

Manju Khatik
Field Supervisor,
Jatan, Rajsamand

Kanhaiyalal Jingar
Coordinator,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Gangaram
Office Assistant,
Jatan Sansthan, Railmagra

Dr. Vallari Ramakrishnan
Gynochologist, Shreyas Hospital,
Udaipur

Neelu Choudhery
Director, Doosra Dashak,
Jaipur

Vardhini Purohit
Sarpanch, Oda, Railmagra
Rajsamand

Vaidya Smita Vajpai
Sr. Program Officer,
Chetna, Ahmedabad

Bhanwarlal Vaghrecha
President- Tulsi Sadhna Shikhar,
Rajsamand

Pushpa Karnawat
Social Worker,
Rajsamand

Triloki Mohan Purohit
Teacher, DIET,
Rajsamand

Smriti Kedia
Consultant,
Udaipur

Ranveer Singh
Deputy Director,
JIVA, Railmagra

Chhatrapal Singh
Program Manager,
Jatan Sansthan, Udaipur

Sanjay Chittora
Program Coordinator,
Aajeevika Baurue, Udaipur

Sumitra Menaria
Field Supervisor,
Jatan Sansthan, Railmagra

GOVERNING COUNCIL

Shrilal Garg
Chair Person; District Education Officer (Rtd)
Railmagra, Rajsamand

Lakshmi Murthy
Designer and Social Communicator
Vikalp Design, Udaipur

Dr. Gaytri Tiwari
Ass. Professor,
Human Development and family studies,
MPUAT, Udaipur

Ashwini Paliwal
Secretary,
Astha Sansthan, Udaipur

Govind Singh Gehlot
Faculty,
Vidhyabhawan, Udaipur

Mahesh Dadhich
Advocate,
Bhilwara

Rajesh Sharma
Program Officer,
Foster Care India, Udaipur

Sarita Jain
Expert in Women empowerment,
Rajsamand

Goverdhan Singh Chouhan
Treasure; Program Manager,
Jatan Sansthan, Rajsamand

Ranveer Singh
Deputy Director,
JIVA, Railmagra, Rajsamand

Prakash Bhandari
Educator
Udaipur

Dashrath Singh Dalawat
Educator,
Udaipur

Sanjay Chittora
Coordinator,
Aajeevika Bureau, Udaipur

Madhu Joshi
Social Worker,
Rajsamand

Shakuntala Vaishnav
Expert on Reproductive Health,
Railmagra, Rajsamand

Mukesh Kumar Sinha
Social Worker.
Railmagra, Rajsamand

Dr. Kailash Brijwasi
Member Secretary and Executive Director
Jatan Sansthan, Udaipur

BOARD MEETINGS

Date of Governing Body Meeting (2013-2014)
March 22, 2014, Udaipur

Date of Advisory Committee Meeting (2013-2014)
March 22, 2014, Udaipur

Date of Executive Committee Meetings (2013-2014)
June 01, 2013 Railmagra

August 30, 2013, Udaipur

November 30, 2013, Udaipur

January 26, 2014, Railmagra

March 22, 2014, Udaipur

EXECUTIVES

President: Shrilal Garg

Treasurer: Goverdhan Singh Chouhan

Executive Director and Member Secretary: Dr. Kailash Brijwasi

Executive Members: Rajesh Sharma, Ranveer Singh, Mukesh Sinha, Ashwini Paliwal, Shakuntala Vaishnav, Sarita Jain, Prakash Bhandari, Govind Singh

DONORS AND SUPPORTERS

Doosra Dashak
Jaipur

Centre for Health& Justice
New Delhi

Chetna
Ahemadabad

Developing World Connections
Canada

Eco-famme
Pondicherry

Foundation of Sustainable Development, INDIA
Rajsathan

Friends of Jatan (Philipp Loske Group)
Germany

Functional Vocational Training and Research Society
Banglore

Gebico Reison
Germany

John Deere Foundation
USA

John Deere Employee Donor Advised Fund (Give2Asia)
San Francisco, USA

Ministry of Health and Family Welfare, GOI
New Delhi

MSID India Program
New Delhi

National Commission of Women
New Delhi

Nehru Yuva Kendra Sangthan
Jaipur, Udaipur, Jhalawar

Pathfinder International
New Delhi

Prayas
Chittorgarh

Pyxera Global
USA

Rajasthan AIDS Control Society
Jaipur

Sir Dorabji Tata Trust
Mumbai

The Hunger Project
Jaipur

UNFPA
Jaipur

UNICEF
Jaipur

Vedanta Foundation
Udaipur

Women Power Connect
New Delhi

Zila Parishad / District Collectorate
Rajsamand, Udaipur, Bhilwara and Jhalawar

(O) 2419619
(O) 2421600
(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur

S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

448, MOKSHA MARG, SHASTRI CIRCLE,
UDAIPUR RAJASTHAN 313001
Ph. 9414157232

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2014 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2014

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2014

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)

Membership No: 076167

Place :UDAIPUR
Date : 15/07/2014

BALANCE SHEETS

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET

AS AT MARCH 31ST, 2014

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
CAPITAL FUND:		4,769,195.58	**FIXED ASSETS**	Schedule- 1	3,924,010.00
- Opening Balance	1,294,619.28				
- Add: During the year	507,561.30		**Taxes / TDS:**		60,579.00
- Add: Capital assets purchased	2,967,015.00		- TDS (FY 2012-2013)	27,743.00	
			- TDS (FY 2013-2014)	32,836.00	
Provisions	Schedule- 3	63,489.00			
Current Liabilities	Schedule- 5	885,626.00	Security deposit	Schedule- 7	199,320.00
Unspent Balance of Grant	Schedule- 2	3,507,911.16	Loan and Advance	Schedule- 4	407,405.00
			Grant Receivable	Schedule- 2	1,247,411.00
			CASH BALANCE	Schedule- 6	
			1 Cash in hand		37,024.00
			2 Cash at bank		3,350,472.74
TOTAL		9,226,221.74	TOTAL		9,226,221.74
					0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 15th July 2014

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2014

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:				
1 Strengthening Women's Political Leadership in Local Governance	237,076.00	**Grant in aid: The Hunger Project**		
		- Grant during the year	436,666.00	
		- Less: Closing unspent balance	141,040.00	
		- Less: Capital assets purchased	58,550.00	237,076.00
2 Strengthening the Anganwadi Centers	505,332.00	**Grant in aid: Vedanta Foundation**		
		- Grant during the year	475,643.00	
		- Add: Closing overspent balance	32,304.00	
		- Less: Capital assets purchased	2,615.00	505,332.00
3 Mahila Suraksha Evam Salah Kendra	272,012.00	**Grant in aid: Mahila Adhikarita Vibhag, GOR**		
		- Grant during the year	293,000.00	
		- Less: Opening overspent balance	94,559.00	
			198,441.00	
		- Add: Closing overspent balance	76,769.00	
		- Less: Capital assets purchased	3,198.00	272,012.00
4 "Betiyon Ki Baten" An Advocacy Campaign on Declining Sex Ratio (PC & PNDT Dept.)	437,458.00	**Grant in aid: MH & FW, GOI, New Delhi**		
		- Opening overspent balance	171,881.00	
		- Less: Closing overspent balance	617,739.00	
		- Less: Capital assets purchased	8,400.00	437,458.00
5 Education and Development of Adolescents in Railmagra Block	3,653,091.50	**Grant in aid: Tata Social Welfare Trust, Mumbai**		
		- Grant during the year	3,967,000.00	
		- Add: Bank interest	211,679.00	
		- Add: Opening unspent balance	499,462.00	
			4,678,141.00	
		- Less: Closing unspent balance	959,198.50	
		- Less: Capital assets purchased	65,851.00	3,653,091.50
6 Technical Resource Centre (TRC)	102,032.00	**Grant in aid: MPUAT Udaipur**		
		- Grant during the year	106,980.00	
		- Less: Capital assets purchased	4,948.00	102,032.00
7 Small Scale Programme to Support DIET for creating Child Friendly School	1,115,620.00	**Grant in aid: UNICEF, Jaipur**		
		- Grant during the year	1,116,000.00	
		- Less: Capital assets purchased	380.00	1,115,620.00
8 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being Facilitated by NYKS in Udaipur and Jhalawar District of Rajasthan	90,518.00	**Grant in aid: UNFPA, Jaipur**		
		- Closing overspent balance	90,518.00	90,518.00
9 Construction of Child Friendly Toilet	4,925.00	**Grant in aid: Zila Parishad Rajsamand**		
		- Grant during the year	33,600.00	
		- Less: Opening overspent balance	288,754.00	
			-255,154.00	
		- Add: Closing overspent balance	260,079.00	4,925.00
10 Mahila Panch Sarpanch Sammelan- THP	37,167.00	**Grant in aid: Astha Sansthan, Udaipur**		
		- Closing overspent balance	37,167.00	37,167.00
11 Workshops on Panchayati Raj	18,439.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Grant during the year	18,439.00	18,439.00
12 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	215,540.00	**Receipt by sale of Uger products & other donations**		
		- Receipt during the year	160,965.00	
		- Less: Opening overspent balance	29,302.00	
			131,663.00	
		- Add: Closing overspent balance	84,217.00	
		- Less: Capital assets purchased	340.00	215,540.00
13 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	932,643.00	**Grant in aid: Gebico Reisen, Germany**		
		- Opening unspent balance	252,228.00	
		- Add: Grant during the year	969,772.00	
			1,222,000.00	
		- Less: Closing unspent balance	171,779.00	
		- Less: Capital assets purchased	117,578.00	932,643.00
14 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	563,274.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Grant during the year	598,265.00	
		- Less: Grant refund to THP	16,371.00	
		- Less: Closing unspent balance	18,620.00	563,274.00
15 Women's Health and Rights Advocacy Partnership- ARROW-WHRAP	70,000.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmadabad**		
		- Grant during the year	100,000.00	
		- Less: Opening overspent balance	30,000.00	70,000.00
16 Effective Communication towards Ensuring Social Accountability for Maternal Health- CDPPA-SAMAH	77,557.00	**Grant in aid: CHETNA, Ahmadabad**		
		- Grant during the year	87,500.00	
		- Less: Closing unspent balance	9,943.00	77,557.00
17 Study Exchange Programme	430,173.00	**Grant in aid: Arkleton Trust, UK**		
		- Grant during the year	430,173.00	430,173.00
18 Education Support Programme for 6 girls	196,397.00	**Grant in aid: JOEDAF San Francisco, (GIVE2ASIA)**		
		- Grant during the year	202,147.00	
		- Less: Capital assets purchased	5,750.00	196,397.00
19 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level Activities)	9,212,820.00	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Opening unspent balance	1,660,861.00	
		- Add: Grant during the year	11,146,792.00	
		- Add: Bank interest	35,147.00	
			12,842,800.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,058,150.00	
		- Less: Capital assets purchased	2,571,830.00	9,212,820.00
20 Joint Initiative for Village Advancement Project (Education Support Programme for 6 girls and Finance & Admin work)	1,673,125.00	**Grant in aid: Pyxera Global, USA**		
		- Opening unspent balance	125,265.00	
		- Add: Grant during the year	2,604,581.66	
			2,729,846.66	
		- Less: Closing unspent balance	980,021.66	
		- Less: Capital assets purchased	76,700.00	1,673,125.00
21 Improving Maternal Health Project	59,486.00	**Grant in aid: Prayas, Chittorgarh**		
		- Grant during the year	18,150.00	
		- Add: Closing overspent balance	41,336.00	59,486.00
22 Organizational expenses and short term programmes	1,339,480.70	Organizational other receipts	1,788,713.00	
		- Less: Capital assets purchased	50,875.00	1,737,838.00
Excess of income over expenditure	507,561.30	Bank interest		109,204.00
TOTAL	21,751,727.50		TOTAL	21,751,727.50

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 15th July 2014

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31-03-2014

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
OPENING BALANCE		**PROGRAM RELATED PAYMENT:**	
1 Cash in hand	13,861.00	1 Strengthening Women's Political Leadership in Local Governance	295,626.00
2 Cash at bank Schedule-6	2,984,928.28	2 Strengthening the Anganwadi Centers	507,947.00
GRANT IN AID RECEIVED:		3 Mahila Suraksha Evam Salah Kendra	270,210.00
1 The Hunger Project, New Delhi	455,105.00	4 "Betiyon Ki Baten" An Advocacy Campaign on Declining Sex Ratio (PC & PNDT Dept.)	445,858.00
2 Vedanta Foundation	475,643.00		
3 Mahila Adhikarita Vibhag, GOR, Jaipur	293,000.00	5 Education and Development of Adolescents in Railmagra Block	3,690,453.50
4 Tata Social Welfare Trust, Mumbai	3,967,000.00		
5 Rajasthan State Aids Control Society, Jaipur	50,000.00	6 Technical Resource Centre (TRC)	106,980.00
6 Home Science College (MPUAT) Udaipur	106,980.00	7 Small Scale Programme to Support DIET for creating Child Friendly School	1,116,000.00
7 UNICEF, Jaipur	1,116,000.00		
8 Zila Parishad Rajsamand	90,528.00	8 Re-vitalizing & Re-energizing Teen Clubs Being Facilitated by NYKS in Udaipur and Jhalawar District of Rajasthan	90,518.00
9 Gebico Reisen, Germony	969,772.00		
10 The Hunger Project, New Delhi	598,265.00		
11 CHETNA, Ahmadabad	187,500.00	9 Construction of Child Friendly Toilet	4,925.00
12 Arkleton Trust, UK	430,173.00	10 Mahila Panch Sarpanch Sammelan- THP	37,167.00
13 John Deere Employee Donor Advised Fund, San Francisco, CA (Give2Asia)	202,147.00	11 Workshops on Panchayati Raj	18,439.00
		12 Uger Programme (Safe Menstruation Campaign)	215,880.00
14 Pyxera Global, USA	13,751,373.66	13 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the development needs of children with focus on health	1,050,221.00
15 Prayas, Chittorgarh	18,150.00		
Organizational receipts	1,716,713.00	14 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	558,274.00
Receipt by sale of Uger products & other donation	160,965.00		
Bank interest	396,030.00		
OTHER RECEIPT DURING THE YEAR:		15 Women's Health and Rights Advocacy Partnership- ARROW-WHRAP	70,000.00
1 Yashoda Soni	3,939.00		
2 Narpat Singh	1,588.00	16	77,557.00
3 Pawan Kumar Bansal	1,309.00	Effective Communication towards Ensuring Social Accountability for Maternal Health- COPPA-SAMAH	
4 Sammarveer Singh Rathore	10,410.00		
5 Shanti Lal Panchal	3,185.00	17 Study Exchange Programme	430,173.00
6 M/s Mateshwari Electronic Decorations	1,050.00	18 Education Support Programme for 6 girls	202,147.00
7 Dal Chand Docara Dashak	376.00	19 Joint Initiative for Village Advancement Project (Field Level Activities)	11,784,650.00
8 Chhatrapal Singh Chundawat	8,910.00		
9 Laxmi Sharma	106.00	20 Joint Initiative for Village Advancement Project (Education Support Programme for 6 girls and Finance & Admin work)	1,749,825.00
10 Expenditure reversed	121,020.00		
11 Manju Rajput	1,615.00		
12 Apur Mehta	30.00	21 Improving Maternal Health Project	59,486.00
13 Prakash Sargada	5,520.00	22 Organizational expenses and short term programmes	1,342,876.00
14 Administrative fund	217,315.00		
15 Staff welfare	110,942.00	23 Bank charges	982.70
16 Staff security deposit	192,468.00		
17 Staff SHG contribution	59,330.00	**OTHER PAYMENT:**	
18 Radheshyam Ameta	16,988.00	1 M/s Maa Shreya Devi Tent & Caters	627,244.00
19 TDS writeoff	3,152.00	2 M/s S.D. Baya & Co. Udaipur	25,000.00
		3 Ganga Ram Prajapat	40,885.00
		4 TDS Payable	5,605.00
		5 Bhupen Kumar Sahu	14,566.00
		6 Goverdhan Singh Chouhan	18,567.00
		7 Kanhaiya Lal Jingar	8,952.00
		8 Mahendra Singh Chandana	1,698.00
		9 Maina Sanadhya	31.00
		10 Manju Khatik	10,104.00
		11 Om Prakash Gayri	9,889.00
		12 Pinki Khatik	2,292.00
		13 Prem Paliwal	1,824.00
		14 Ranveer Singh Shaktawat	13,480.00
		15 Sumitra Menariya	12.00
		16 Yogesh Swarnkar	2,629.00
		17 Azad Singh Sonigara	1,000.00
		18 Prakash Heda	932.00
		19 Krishna Baldev Singh	2,000.00
		20 Shyama Vaishnav	200.00
		21 Bank interest refunded to Tata Trust	75,991.00
		22 Income Tax Department (ITO for TDS)	32,836.00
		23 Kanhaiya Lal Rao	5,042.00
		24 Umesh Acharya	5,042.00
		25 Pushkar Nayak	330.00
		26 JIVA Prepaid Expenses	12,000.00
		27 M/s Rajasthan Machinery Mart	11,153.00
		28 Grant refund to THP	16,371.00
		29 Dr. Kailash Brijwasi	108,401.00
		30 Loan to staff SHG members	28,098.00
		31 Ratan Giri Goswami	15,000.00
		32 Dev Narayan Khatik	926.00
		33 Mukulraj Singh	5,000.00
		34 Goverdhan Singh (Computer loan)	7,900.00
		35 Kanhaiya Lal Jingar (M/cy loan)	10,048.00
		36 B. Rama Murthi-Guest house security	20,000.00
		37 Fixed assets purchased in JRC	46,497.00
		CLOSING BALANCE	
		1 Cash in hand	37,024.00
		2 Cash at bank Schedule-6	3,350,472.74
TOTAL	28,704,194.94	TOTAL	28,704,194.94

0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 15th July 2014

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

STAFF SALARIES AND BREAKUP

Slab of gross monthly salary (INR) plus benefits paid to staff (As on 31/03/2014)	Female Staff	Male Staff	Total Staff
< 5000	16	6	22
5001- 10000	13	9	22
10001- 25000	2	9	11
25001- 50000	2	1	3
>50000	0	1	1
TOTAL	**33**	**26**	**59**

STAFF DETAILS

Gender	Paid Full Time	Paid Part- Time	Paid Consultants	Paid Volunteers	Unpaid Volunteers
Female	15	16	2	0	21
Male	20	6	0	0	25
Total	35	22	1	0	46

Total Cost of International Travel by Staff during the year (mar 31st 2014)

Name	Dr. Kailash Brijwasi	Lakshmi Murthi	Goverdhan Singh Chouhan	Kanhaiya Lal Jingar	Manju Khatik	Pinki Khatik
Designation	Executive Director	Executive Member	Program Manager	Senior Coordinator	Field Organizer	Field Organizer
Destination	Family Guidance Association of Ethiopia (FGAE)					
Purpose	Study Exchange Programme					
Expenditure	4,30,173/- (Four lacs Thirty thousand One hundred Seventy-three only)					
Sponsored by	Fully sponsored by external organisation					

JATAN IN THE NEWS

प्रजातंत्र अच्छा है, भ्रष्टाचार सबसे बुरा

कनाडा की स्वयंसेवी संस्था के सदस्यों ने मोर्री में श्रमदान किया, महिलाओं के लिए बना रहे स्नानघर

राष्ट्रीय सेमिनार में सुरक्षित माहवारी प्रबंधन पर हुई चर्चा : देशी विदेशी विशेषज्ञों ने दी इस दिशा में हो रहे प्रयासों की जानकारी

'माहवारी के मुद्दे पर खुल कर हो बात'

उदयपुर. तमाम वर्जनाएं तोड़ते हुए अगर समाज में माहवारी के मुद्दे पर बात हो तो समझ बढ़ सकेगी। भारत गांवों का देश है और ग्रामीण भारत में ही ज्यादा रूढ़िवादिता है। ग्रामीण महिलाओं व समाज के साथ इस विषय पर स्वस्थ बहस की शुरुआत करके महिलाओं की समस्याओं का अंत कर सकेंगे, लेकिन इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। राजसमन्द के जिला कलक्टर डॉ. प्रीतम बी. यशवंत ने यह बात राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए कही। जतन संस्थान व विकल्प डिजाइन की ओर से आस्था प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित 'माहवारी प्रबंधनः एक सामयिक सन्दर्भ' विषयक राष्ट्रीय परिचर्चा में स्वस्थ बहस की गई।

पुस्तिका का विमोचनः कार्यक्रम में किशोरियों को माहवारी संबंधी विविध जानकारी देने के उद्देश्य से तैयार की गई पुस्तिका सीधी सच्ची बात का विमोचन भी हुआ।

ग्राम पंचायतें करें महिला हिंसा की रोकथाम की 'पहल'

मीडिया करे सहयोग, संवाद सेतु बनें

कार्यशाला आयोजित

राजसमंद के समीप बड़ारड़ा स्थित होटल में जतन संस्थान की ओर से आयोजित महिला हिंसा विषयक कार्यशाला में उपस्थित संभागी।

नुक्कड़ नाटक में दिया बेटी बचाने का संदेश

राजसमंद. नुक्कड़ नाटक का मंचन तथा देखते ग्रामीण।

चौकड़ी में चार माही आवासीय शिविर का समापन

शिक्षा से जुड़े रहने के संकल्प के साथ विदा हुई किशोरियां

चौकड़ी में किशोरियों के चारमाही आवासीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रमाण पत्र सौंप कर सम्मानित करते अतिथि।

8 किशोरियां देंगी दसवीं की परीक्षा

भाषा का पाया ज्ञान

11 विवाहित किशोरियां जुड़ी पुनः शिक्षा से

20 फिसदी किशोर अभी भी वंचित

पुलिस महिला डेस्क कार्यशाला में विशेषज्ञ व आम नागरिकों के विचार साझा

'अबला के प्रति नजरिया बदलें'

कार्यशाला में उपस्थित पुलिस अधिकारी व (इनसेट) संबोधित करते अतिथि।

फाल्गुन मेले की मस्ती खूब जमी

राजसमंद. कांकरोली स्थित पवन वाटिका में शुक्रवार को जतन संस्थान के फाल्गुन मेले की मस्ती खूब जमी। महिलाएं जमकर थिरकीं और खूब अबीर-गुलाल उड़ाई।

Rajsamand kids' learning level hits new low

Survey Also Highlights Increasing Drop-Out In Schools, Widening Teacher-Student Ratio

Students at a government school

EDUCATIONAL STATUS IN RAJSAMAND DISTRICT

% of students of Class 3 to 5 who can		% of students of Class 3 to 5 who can		% of children of age 6 to 14 who	
Read Class 1 level text		Do subtraction		Are not enrolled in any school	
2009	2013	2009	2013	2009	2013
57.8	53.5	41.3	27.8	2.6	5.2

जन संवाद में छलका महिलाओं का दर्द

रेलमगरा में जतन संस्थान की ओर से आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

इन बिंदुओं पर चर्चा

- जतन संस्थान की पहल पर लगा शिविर, अधिकारी रहे उपस्थित

रंगों से भरेंगे बेटी बचाने का जज्बा

- राजस्थान पत्रिका और जतन संस्थान का प्रयास
- 8 जनवरी को ऐतिहासिक नौचौकी पाल पर होगी पोस्टर प्रतियोगिता

दो श्रेणियों में होगी

पीड़िता किशोरी के समर्थन में आईं जतन संस्थान की महिलाएं, कहा

'छेड़छाड़ के आरोपी कांस्टेबल को सख्त सजा मिले'

भास्कर न्यूज | रेलमगरा

रेलमगरा पुलिस थाना के कांस्टेबल द्वारा दुष्कर्म प्रयास की पीड़िता किशोरी से मिलने जतन संस्थान द्वारा संचालित महिला सलाह व सुरक्षा केंद्र की सलाहकार मंजू खटीक और लक्ष्मी शर्मा चौकड़ी पहुंचे। सलाहकारों ने किशोरी के बयान कलमबद्ध किए तथा उसे सांत्वना दी। पीड़िता ने अपने साथ हुई घटना को बताया तथा आरोपी कांस्टेबल को सख्त सजा दिए जाने की वकालत की।इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने किशोरी की जागरूकता व निर्भीकता की तारीफ करते हुए कहा कि जुल्म को सहना नहीं बल्कि उसके विरुद्ध पूरी बहादुरी से आवाज उठानी चाहिए। जतन संस्थान द्वारा चौकड़ी में आयोजित महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आयोजित महिला बैठक में भी यह मामला छाया रहा। बैठक में महिला समूह प्रमुख सरोज राजपूत व राजीबाई बंजारा ने आरोपी को सख्त से सख्त सज़ा दिलाने के संदर्भ में जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने की तैयारी की है। संस्था की ओर से ओमप्रकाश, लक्ष्मी शर्मा, सुमित्रा मेनारिया, पिंकी खटीक, मंजू खटीक आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व पीड़िता से मिलने जुनदा सरपंच गीता रेगर, ओड़ा सरपंच वर्धिनी पुरोहित, रेलमगरा प्रधान रेखा अहीर के साथ पीड़िता किशोरी से मिलने चौकड़ी गांव पहुंचे।

पीड़ित किशोरी से मिलने पहुंची जतन संस्थान की महिलाएं। भास्कर

Om

Jatan Sansthan
05- Tirupati Vihar, Opp. Celebration Mall, Bhuwana, **Udaipur**-313001 09828637771
Near RSEB Office, Old Collectorate road, **Rajsamand**-313326 02952 220121
Police station road, **Railmagra** (Dist. Rajsamand)- 313329 02952 267464
Kapilvastu Colony, Patan road, **Jhalawar**- 326001 09829331600
www.jatansansthan.org info@jatansansthan.org /JatanUdaipur @JatanUdaipur